सांध्य दैनिक

# नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746


**सु-विचार**

*"जब जल गंदा हो तो उसे हिलाते नहीं, बल्कि शांत छोड़ देते हैं, जिससे गंदगी अपने आप नीचे बैठ जाती है, उसी प्रकार जीवन में परेशानी आने पर बेचैन होने की बजाए शांत रहकर विचार करें हल जरुर निकलेगा ...!!"*

*अज्ञात...*


वर्ष-01 अंक-130 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, शनिवार 30 मई 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए


# फ्लाई एश की आड़ में बीएसपी से 250 टन लोहा चोरी, संगठित सिंडिकेट का खुलासा

## पीएमओ में शिकायत के बाद पुलिस की छापेमारी, सीआईएसएफ-बीएसपी की सुरक्षा पर सवाल

**जांच : पड़ताल**

*आलोक तिवारी/ भिलाई*

भारत की नवरत्न कंपनी सेल की अहम इकाई भिलाई इस्पात संयंत्र में फ्लाई एश की आड़ में करोड़ों के लोहे की चोरी का बड़ा सिंडिकेट बेनकाब हुआ है। प्रधानमंत्री कार्यालय में शिकायत के बाद भिलाई-3 पुलिस ने 26 मई को अकलोरडीह स्थित 'एके ट्रेडर्स' के यार्ड में छापा मारकर करीब 250 टन संदिग्ध लोहा बरामद किया, जिसकी अनुमानित कीमत 3.22 करोड़ रुपए है। पुलिस ने मौके से दो हाइवा, जेसीबी, हाइड्रा सहित अन्य मशीनें जब्त कीं और चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। मुख्य सूत्रधार संजय सिंह और गोदाम संचालक मो. सलीम फरार हैं।

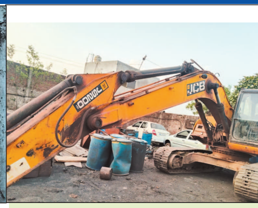

### कैसे होता था 'खेल'

गिरफ्तार चालकों ने कबूला कि वे 30-40 बार ऐसे वाहन बाहर निकाल चुके हैं। फ्लाई एश भरने आए हाइवा में वजन पास होने के बाद 500-1000 किलो की भारी स्क्रैप प्लेटें क्रेन से लोड की जाती थीं। फिर ऊपर से फ्लाई एश डालकर गेट पर वजन का अंतर छिपा दिया जाता था। जांच में सामने आया कि फ्लाई एश लोडिंग पॉइंट और स्क्रैप यार्ड की दिशा विपरीत है। प्लांट में घुसते ही वाहनों पर वीटीएस ट्रैकर लग जाता है, फिर भी ट्रक रूट बदलकर एसएमएस-3 से स्क्रैप लोड करते थे। बिना हैवी क्रेन और भीतरी मिलीभगत के यह संभव नहीं था।

### सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

बीएसपी में 1500 सीआईएसएफ जवान और 650 से अधिक सीसीटीवी कैमरे तैनात हैं, फिर भी चोरी जारी रही। जिस एमआरडी एरिया से स्क्रैप लोड होता था, वहां सीसीटीवी नहीं मिला। सीआईएसएफ का कहना है कि चोरी स्थल उनके प्रत्यक्ष नियंत्रण में नहीं आता और फ्लू डस्ट से भरे वाहनों को उतरवाकर जांच करना उनकी जिम्मेदारी नहीं है। बीएसपी प्रबंधन ने आंतरिक जांच टीम गठित की है। सीएसपी छावनी प्रशांत पैकरा ने बताया कि घटना के दिन ड्यूटी पर तैनात कर्मियों की डिटेल मंगाई गई है।

### सिस्टम की खामियां उजागर

1. **वीटीएस बेअसर :** ट्रैकर लगे होने के बावजूद ट्रक रूट बदलते रहे।
2. **सीसीटीवी नाकाफी :** चोरी वाले एरिया में कैमरे नहीं, स्टोरेज की अवधि कम।
3. **आरएफआईडी नहीं :** गेटों पर स्कैनर सिस्टम न होने से डस्ट के बीच छिपा लोहा पकड़ा नहीं गया।
4. **ड्रोन की कमी :** 9000 एकड़ के प्लांट में निगरानी मुश्किल।

### पुलिस का बयान

एसएसपी विजय अग्रवाल ने कहा, सिंडिकेट बनाकर लोहा चोरी के सबूत मिले हैं। मास्टरमाइंड के पकड़े जाने के बाद बड़ा खुलासा होगा। किसी को नहीं छोड़ा जाएगा।

### गिरफ्तार आरोपी और आगे की जांच

*पुलिस ने मीथेन ठाकुर, चिंतानंद साहू, गीतेश वर्मा और निर्मल सिंह को गिरफ्तार किया है। मास्टरमाइंड संजय सिंह की तलाश में एएसपी के नेतृत्व में टीम लगी है। पुलिस का मानना है कि यह खेल ड्राइवरों और कबाड़ियों तक सीमित नहीं है। 56 लोगों की पहचान हुई है जो लगातार बीएसपी से लोहा चोरी से जुड़े हैं। चोरी का माल खुर्सीपार, नेवई बस्ती, जोरातराई, सुपेला में गोदामों में रखा जाता था।*

### विशेषज्ञों की राय

सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि बीएसपी को आरएफआईडी, ड्रोन निगरानी और स्कैनर सिस्टम लगाना होगा। सीआईएसएफ को तकनीक से लैस किए बिना चोरियों को रोकना मुश्किल है। इतनी बड़ी चोरी के बाद सीबीआई जांच की मांग भी उठ रही है।

### पहले भी होती रही चोरियां

बीएसपी से पहले भी केबल, कॉपर, बेयरिंग और लैडल चोरी के मामले सामने आ चुके हैं। कई बार बीएसपी ने जब्त माल को अपनी संपत्ति मानने से इनकार कर दिया। फिलहाल पुलिस, बीएसपी और सीआईएसएफ अलग-अलग जांच कर रहे हैं। बड़ा सवाल यही है कि 250 टन लोहा, क्रेन से लोडिंग, परिवहन और खपाने का पूरा नेटवर्क इतने समय तक सुरक्षा एजेंसियों की नजर से कैसे बचा रहा।

---

**त्वरित टिप्पणी**

## सुशासन' के दावों पर कसौटी का वक्त : घटनाएं बन रहीं चुनौती

*आलोक तिवारी*

*भाजपा ने 2023 में छत्तीसगढ़ की सत्ता सुशासन, जीरो टॉलरेंस और भ्रष्टाचार मुक्त शासन के वादे पर हासिल की थी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के शुरुआती कार्यकाल में महतारी वंदन योजना, किसानों को समर्थन मूल्य का भुगतान और नक्सलवाद पर सख्ती जैसे कदमों ने जनमानस में सकारात्मक संदेश दिया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा की नक्सल अभियान में भूमिका की सराहना भी हुई। लेकिन सुशासन तिहार मना रही सरकार के सामने बीते दिनों की घटनाएं अब सवाल खड़े कर रही हैं।*

### 5 तथ्य जो कसौटी बन रहे हैं:

1. **प्रशासनिक टकराव:** सुशासन तिहार के पहले दिन भिलाई नगर निगम आयुक्त के खिलाफ भाजपा का प्रदर्शन बेनतीजा रहा।
2. **आंतरिक कलह के संकेत:** सरगुजा संभाग की एक महिला विधायक का कथित ऑडियो वायरल हुआ, जिसमें संगठन-सरकार के रिश्तों पर सवाल उठे।
3. **कानून-व्यवस्था पर सवाल:** सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो और समर्थकों पर नायब तहसीलदार से मारपीट का आरोप। छावनी थाने में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा हंगामे और एकतरफा कार्रवाई के आरोप लगे। दुर्ग ग्रामीण में विधायक ललित चंद्राकर के सामने सीईओ द्वारा कार्यकर्ता को चुनौती देने का वीडियो वायरल हुआ।
4. **जनप्रतिनिधियों का आचरण:** दुर्ग महापौर अल्का बाघमार का फुटपाथ दुकानदार को धमकाने का वीडियो सार्वजनिक हुआ।
5. **भ्रष्टाचार के आरोप:** महिला एवं बाल विकास विभाग में साड़ी घोटाला, सड़क निर्माण में गड़बड़ी, स्वास्थ्य विभाग में अनियमितता, सूखत के नाम पर धान घोटाला, रेत माफिया और भू-माफियाओं की सक्रियता के आरोप लग रहे हैं।

सुशासन सिर्फ योजनाओं के नाम और नारों से नहीं, जमीनी क्रियान्वयन और आचरण से तय होता है। शुरुआती उपलब्धियां सरकार की पूंजी हैं, लेकिन लगातार सामने आ रही घटनाएं इस पूंजी को क्षरित कर रही हैं। सुशासन दिवस पर गठरी लेकर घूमने से ज्यादा जरूरी है कि सरकार इन घटनाओं पर त्वरित, निष्पक्ष और दिखने वाली कार्रवाई करे।

जीरो टॉलरेंस का मतलब सिर्फ विपक्ष के लिए नहीं, अपने लोगों के लिए भी वही पैमाना होना चाहिए। अभी भी वक्त है। सरकार यदि जनविश्वास बचाना चाहती है तो भ्रष्टाचार और अराजकता के हर मामले में दोषियों पर कार्रवाई कर सुशासन को नारे से हकीकत में बदलना होगा। वरना ग्रहण के ये संकेत स्थायी छवि बन सकते हैं।

---

# दुर्ग के रायपुर नाका श्मशान घाट में मिले मानव खोपड़ी-हड्डियां, जांच में जुटी पुलिस

## एफएसएल टीम ने की फॉरेंसिक जांच, कब्र से निकले अवशेष होने की आशंका

*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग*

रायपुर नाका स्थित श्मशान घाट में शुक्रवार को डराने वाला नजारा सामने आया। कब्र के पास मानव खोपड़ी, हड्डियां और झिल्ली में बंधा कंकाल मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर स्मृति नगर चौकी पुलिस और एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची।

### एफएसएल ने जताई आशंका

एफएसएल टीम ने फॉरेंसिक जांच के बाद कब्र से निकले शरीर के अवशेष होने की आशंका जताई है। पास में ही झिल्ली में बंधा हुआ कंकाल भी बरामद हुआ। पुलिस ने सभी अवशेष जब्त कर जांच शुरू कर दी है।

### असामाजिक तत्व या जानवरों की करतूत?

स्मृति नगर चौकी प्रभारी निरीक्षक राजेश साहू ने किसी असामाजिक तत्व या जानवरों द्वारा कब्र से छेड़खानी की आशंका जताई है। वहीं एडिशनल एसपी भिलाई-दुर्ग शहर सुखनंदन राठौर ने कहा कि मामले की साइंटिफिक जांच की जा रही है। रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा।

### दुर्ग नगर निगम की व्यवस्था पर सवाल

घटना के बाद दुर्ग नगर निगम की लापरवाही भी सामने आई है। श्मशान घाट में रख-रखाव की हालत जीरो है। यहां एक भी चौकीदार तैनात नहीं है, जिससे असामाजिक तत्वों की आवाजाही बनी रहती है। स्थानीय लोगों ने निगम से सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है। फिलहाल पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

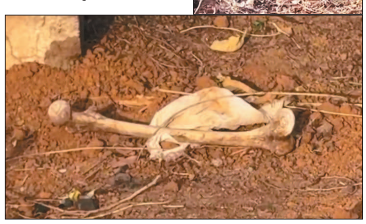

---

# पुत्र की मौत का सदमा बर्दाश्त न कर सका पिता, पिता-पुत्र की एक साथ उठी अर्थी

**गौशाला पारा में दालसीरा की दुकान चलाने वाले मांगीलाल शर्मा और पुत्र चंद्रप्रकाश का निधन, वार्ड में पसरा मातम**

*नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव*

शहर के चौखड़िया पारा में शुक्रवार रात एक बेहद हृदयविदारक घटना ने सबको झकझोर दिया। पुत्र की मौत की खबर सुनते ही पिता ने भी कुछ देर बाद दम तोड़ दिया। पिता-पुत्र की एक साथ मौत से पूरे वार्ड में शोक की लहर दौड़ गई।

चौखड़िया पारा निवासी मांगीलाल शर्मा (80) और उनके पुत्र चंद्रप्रकाश शर्मा चंदू (45) का शुक्रवार रात निधन हो गया। परिजनों के अनुसार, पहले चंद्रप्रकाश शर्मा का निधन हुआ। बेटे की मौत की खबर सुनते ही वृद्ध पिता मांगीलाल शर्मा को गहरा सदमा लगा और उन्होंने भी कुछ ही देर में अंतिम सांस ली।

मांगीलाल शर्मा और चंद्रप्रकाश शर्मा गौशाला पारा में दालसीरा की दुकान का संचालन करते थे। इसी दुकान के नाम से वे पूरे क्षेत्र में जाने-

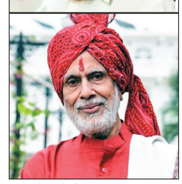

पहचाने जाते थे। मिलनसार स्वभाव के कारण दोनों की इलाके में गहरी पहचान थी।

घटना की सूचना मिलते ही देर रात से ही उनके निवास पर लोगों की भीड़ जुटने लगी। पिता-पुत्र के एक साथ निधन से हर आंख नम थी। परिजनों ने बताया कि दोनों की अंतिम यात्रा शनिवार सुबह 9:30 बजे निवास स्थान चौखड़िया पारा से निकाली जाएगी। विनम्र श्रद्धांजलि। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं शोकाकुल परिवार को यह अपार दुख सहने की शक्ति प्रदान करें।

---

# नाबालिग से पूछताछ में लापरवाही : सोमनी टीआई व महिला प्र. आरक्षक निलंबित

## डॉक्टर और लैब टेक्नीशियन हटाए गए, गलत मेडिकल रिपोर्ट और रातभर थाने में बैठाने का आरोप

*नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव*

सोमनी थाना क्षेत्र में एक नाबालिग बच्ची के साथ पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की कथित लापरवाही का मामला सामने आया है। परिजनों की शिकायत पर एसपी अंकिता शर्मा ने सोमनी थाना प्रभारी अरुण नामदेव और महिला प्रधान आरक्षक राजश्री को तत्काल निलंबित कर दिया गया है। वहीं सीएमएचओ डॉ. नवरतन कश्यप ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोमनी में पदस्थ डॉक्टर मौन्या साहू और लैब टेक्नीशियन किरण साहू को वहां से हटा दिया है।

### क्या है मामला

पीड़ित पिता के अनुसार उनकी 14 वर्षीय बेटी का 25 मई को सोमनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज चल रहा था। जांच के बाद दी गई मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर अस्पताल से सोमनी थाना को सूचना दी गई। आरोप है कि इसके बाद पुलिस ने शाम को परिवार को थाने बुलाया और रात करीब 8.40 बजे महिला पुलिसकर्मी वाहन लेकर अंजोरा में चल रहे पारिवारिक कार्यक्रम से नाबालिग को थाने ले गई।

### रातभर थाने में बैठाने का आरोप

शिकायत में कहा गया है कि बच्ची को खाना तक नहीं खाने दिया गया और रातभर थाने में बैठाकर पूछताछ की गई। महिला पुलिसकर्मी पर गाली-गलौज, धमकी देने और दुपट्टे से गला दबाने तक के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। परिजनों का कहना है कि बच्ची के गले में नाखून के निशान भी आए।

### दूसरी जांच में रिपोर्ट अलग आई

परिजनों के अनुसार जिला अस्पताल में दोबारा जांच कराने पर मेडिकल रिपोर्ट अलग आई। इसके बाद भी महिला पुलिसकर्मी द्वारा बच्ची का उपहास उड़ाने का आरोप लगाया गया है। घटना के बाद बच्ची मानसिक रूप से परेशान है और परिवार की सामाजिक प्रतिष्ठा प्रभावित हुई है।

### कांग्रेस ने की थी कार्रवाई की मांग

मामले में पीड़ित परिवार और शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष जितेन्द्र मुदलियार ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर कड़ी कार्रवाई की मांग की थी। शहर कांग्रेस अध्यक्ष जितेन्द्र मुदलियार ने कहा था कि नाबालिग को पूरी रात थाने में बैठाना अमानवीय है। कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई थी।

### अधिकारियों का बयान

एसपी अंकिता शर्मा ने कहा, "मामले में सोमनी टीआई और प्रधान आरक्षक को निलंबित कर मामले की जांच जारी है।" वहीं सीएमएचओ डॉ. नवरतन कश्यप ने बताया, "रिपोर्ट देने वाले लैब टेक्नीशियन और डॉक्टर को वहां से हटा दिया गया है। मामले की जांच चल रही है।"

# "माँ और बच्चे का स्वास्थ्य ही स्वस्थ छत्तीसगढ़ की पहचान" -विधायक ललित चन्द्राकर

## पुरई में 'सुशासन तिहार' के तहत गोद भराई रस्म का आयोजन, विधायक ने गर्भवती महिलाओं को प्रदान की सुपोषण टोकरी

*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-पुरई*

छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी योजना "सुशासन तिहार-2026" के अंतर्गत आज ग्राम पुरई में आयोजित समाधान शिविर में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गोद भराई रस्म का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक एवं छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा) ललित चन्द्राकर ने क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं को सुपोषण टोकरी प्रदान कर उन्हें शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्री चन्द्राकर ने कहा, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार में मातृ शक्ति के सम्मान और पोषण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। गोद भराई रस्म हमारी भारतीय संस्कृति की अनुपम परंपरा है, जो गर्भवती माता और आने वाले शिशु के स्वास्थ्य की कामना करती है। सुपोषण टोकरी के माध्यम से हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि गर्भावस्था के दौरान हमारी माताओं-बहनों को आवश्यक पोषण मिले। एक स्वस्थ माँ ही स्वस्थ शिशु को जन्म देती है और स्वस्थ शिशु ही स्वस्थ छत्तीसगढ़ का निर्माण करेगा। यही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सुपोषित भारत' के सपने को साकार करने की दिशा में हमारा कदम है।"

### सुपोषण टोकरी में क्या-क्या रहा शामिल

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रदान की गई सुपोषण टोकरी में पौष्टिक आहार जैसे भुना चना, मूंगफली, गुड़, सोयाबड़ी, दालें, सूखे मेवे, हरि सब्जी,तथा आयरन-फोलिक एसिड की दवाइयां शामिल थीं। विधायक जी ने सभी गर्भवती महिलाओं से नियमित स्वास्थ्य जांच कराने और आंगनबाड़ी केंद्रों से मिलने वाली सुविधाओं का लाभ लेने की अपील भी की।

### गोद भराई रस्म से गर्भवती महिलाओं के खिले चेहरे

गोद भराई की रस्म के दौरान पारंपरिक रूप से महिलाओं की गोद भरकर उन्हें तिलक लगाकर नारियल, चुनरी एवं पोषण सामग्री भेंट की गई। सुपोषण टोकरी पाकर गर्भवती महिलाओं के चेहरे पर खुशी और आत्मविश्वास साफ झलक रहा था। लाभार्थी महिलाओं ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं विधायक ललित चन्द्राकर का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से दुर्ग जिला कलेक्टर अभिजीत सिंह, एसडीएम हरवंश मीरी, जनपद पंचायत सीईओ रूपेश पाण्डे, उतई भाजपा मंडल अध्यक्ष शीतला ठाकुर, महामंत्री चंदू देवांगन, प्रवीण यदु, जिला पंचायत सभापति श्रीमती श्रद्धा साहू, जनपद सदस्य अजीत चंद्राकर, सरपंच डोमार साहू, सोसाइटी अध्यक्ष फलेंद्र सिंह राजपूत, फत्ते लाल वर्मा, कमलेश साहू, सरपंचगण, श्रीमती पूजा चंद्राकर, श्रीमती लक्ष्मी साहू, ललित बारले, खुमान निषाद, जितेन्द्र सोनी एवं करण सेन बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी, सुपरवाइजर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका, स्वास्थ्य विभाग की मितानिनें तथा बड़ी संख्या में ग्रामवासी एवं लाभार्थी महिलाएं उपस्थित रहीं।

**खास खबर**

## दुर्ग के अनुराग दानी ने फोर्ब्स 30 अंडर 30 में बनाई जगह, आईआईटी दिल्ली से निकले युवा उद्यमी ने छत्तीसगढ़ का बढ़ाया मान

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-दुर्ग*

छत्तीसगढ़ की धरती प्रतिभाओं से सदैव समृद्ध रही है। यहां की युवा पीढ़ी आज देश ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही है। इसी कड़ी में दुर्ग शहर के युवा उद्यमी अनुराग दानी ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर पूरे छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है। प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय सूची फोर्ब्स 30 अंडर 30 में स्थान प्राप्त कर अनुराग दानी ने यह सिद्ध कर दिया है कि छोटे शहरों से निकलने वाली प्रतिभाएं भी विश्व स्तर पर अपनी पहचान बना सकती हैं। अनुराग दानी दुर्ग के साहित्यकार एवं समाजसेवी डॉ. संजय दानी तथा प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. ममता दानी के सुपुत्र हैं। संस्कार, अनुशासन, परिश्रम और सामाजिक मूल्यों से समृद्ध परिवार में पले-बढ़े अनुराग ने बचपन से ही नवाचार और तकनीकी क्षेत्र में विशेष रुचि दिखाई।

उन्होंने वर्ष 2014 से 2018 तक देश के प्रतिष्ठित संस्थान आईआईटी दिल्ली से बी-टेक की शिक्षा प्राप्त की। अध्ययन के दौरान ही उनके भीतर कुछ नया और उपयोगी करने का सपना आकार लेने लगा। इसी सोच के साथ उन्होंने अपने आईआईटी मित्र रोहित पटेल (भिलाई) के साथ मिलकर फिटनेस क्षेत्र में एक अभिनव स्टार्टअप की शुरुआत की। दोनों युवा साथियों ने मिलकर होम जिम मशीनों के निर्माण की दिशा में कार्य प्रारंभ किया और अपनी कंपनी एरोलिप की स्थापना की। कम समय में ही उनकी तकनीक, नवाचार और उपयोगिता ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। आज एरोलिप केवल एक स्टार्टअप नहीं, बल्कि युवाओं की नवाचारी सोच और आत्मनिर्भर भारत के सपने का प्रतीक बन चुका है।

उनकी कंपनी की उपलब्धियों को राष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना मिली। लगभग दो वर्ष पूर्व प्रधानमंत्री कार्यालय की टीम द्वारा उन्हें देश की राजधानी नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित उत्पाद प्रदशर्नी में अपने उत्पादों के प्रदर्शन हेतु आमंत्रित किया गया था। यह किसी भी युवा स्टार्टअप के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण उपलब्धि मानी जाती है। इतना ही नहीं, अनुराग दानी और उनकी टीम को देश के चर्चित उद्यमिता मंच शार्क टैंक में भी अपनी प्रस्तुति देने का अवसर प्राप्त हुआ, जिसने उनके नवाचार को राष्ट्रीय पहचान दिलाई। अब उनकी कंपनी को प्रतिष्ठित फोर्ब्स 30 अंडर 30 सूची में स्थान प्राप्त हुआ है, जिसे विश्व स्तर पर युवा उद्यमियों की सबसे सम्मानजनक उपलब्धियों में गिना जाता है। माना जा रहा है कि इस सूची में स्थान पाने वाले वे छत्तीसगढ़ के शुरुआती युवा उद्यमियों में शामिल हैं। यह उपलब्धि केवल दानी परिवार के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे दुर्ग एवं समूचे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है।

दानी परिवार सदैव शिक्षा, संस्कृति, सेवा और सामाजिक मूल्यों के लिए जाना जाता रहा है। यही संस्कार अनुराग दानी के व्यक्तित्व में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं। उनकी यह सफलता आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगी तथा छत्तीसगढ़ के युवाओं को यह संदेश देगी कि प्रतिभा, परिश्रम और नवाचार के बल पर विश्व पटल पर भी अपनी अलग पहचान बनाई जा सकती है। दुर्ग सहित पूरे प्रदेश में अनुराग दानी की इस उपलब्धि पर हर्ष एवं गर्व का वातावरण है। साहित्य, चिकित्सा, उद्योग एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े अनेक लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

## जिले की 7 वर्षीय मीमांसा साहू ने पुणे में आयोजित नेशनल कूडो चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता

**दुर्ग।** दुर्ग जिले की मात्र 7 वर्षीय मीमांसा साहू ने नेता जी सुभाषचंद्र बोस मिलिट्री स्कूल, फूलगांव पुणे महाराष्ट्र में आयोजित राष्ट्रीय कूडो चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया है। मीमांसा 3 साल की उम्र से कूडो सीख रही है। पिछले वर्ष सूरत में हुई नेशनल चैंपियनशिप में मीमांसा ने एक सिल्वर और एक कांस्य पदक जीता था। इस बार पुणे में गोल्ड जीतकर उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। मीमांसा की यह उपलब्धि उनकी उम्र के अन्य बच्चों के लिए भी अत्यंत प्रेरणादायक है। मीमांसा की इस उपलब्धि में उनके ट्रेनर राजा कौशल एवं लिलिमा मैम का विशेष योगदान रहा है। परिजनों ने मीमांसा की सफलता पर हर्ष व्यक्त किया है। मीमांसा नारायणा ई-टेक्नो स्कूल बोरसी दुर्ग में कक्षा 2 की छात्रा है।

# कल जिला स्तरीय समाधान शिविर, कलेक्टर और एसएसपी ने लिया तैयारियों का जायजा

## जेआरडी स्कूल ग्राउंड में सुशासन तिहार का भव्य आयोजन, समय पर काम पूरा करने के निर्देश

*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग*

सुशासन तिहार-2026 के अंतर्गत 31 मई को दुर्ग जिला मुख्यालय स्थित जे.आर.डी. शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ग्राउंड में भव्य जिला स्तरीय समाधान शिविर आयोजित होगा। कलेक्टर अभिजीत सिंह और एसएसपी विजय अग्रवाल ने शुक्रवार को कार्यक्रम स्थल पहुंचकर तैयारियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अधिकारियों को समय पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागीय स्टॉल, बैठक व्यवस्था, पेयजल, छाया, पार्किंग और सुरक्षा इंतजामों को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए।

इस अवसर पर एडीएम वीरेन्द्र सिंह, नगर निगम दुर्ग के आयुक्त सुमीत अग्रवाल, अपर कलेक्टर श्रीमती योगिता देवांगन, एएसपी सुखनंदन राठौर, एसडीएम हरवंश सिंह मिरी सहित लोक निर्माण विभाग, पीएचई, आरईएस और वन विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

## शिकायतों का तुरंत निराकरण करें: निगम आयुक्त ने अधिकारियों को दिए निर्देश

**भिलाई।** नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने गुरुवार को निगम अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर नागरिकों की शिकायतों और मांगों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप लोगों को बेहतर और त्वरित सेवाएं देना निगम की प्राथमिकता है।

### इन शिकायतों की हुई समीक्षा

आयुक्त ने सुशासन तिहार, आयुक्त टी.एल., कलेक्टर जनदर्शन, सारथी पोर्टल और डायल 1100 के जरिए मिली शिकायतों व मांग संबंधी आवेदनों की विस्तार से समीक्षा की। अधिकारियों को निर्देश दिया कि लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण कर आवेदकों को राहत दी जाए।

### सुशासन तिहार शिविर पर विशेष जोर

आयुक्त ने सुशासन तिहार शिविर को प्रथम प्राथमिकता देते हुए कहा कि शिविरों में प्राप्त आवेदनों का गंभीरता से निराकरण किया जाए। बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा कर आम जनता की समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में उपायुक्त, अधीक्षण अभियंता, जोन आयुक्त, कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता, उप अभियंता, सहायक राजस्व अधिकारी, स्वास्थ्य अधिकारी सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

# भिलाई महिला समाज ने शुरू की तेजस्विनी स्नैक्स कुटीर उद्योग इकाई

- महिलाओं को स्वरोजगार का प्रशिक्षण
- सेक्टर-6 हैंडग्लव्स यूनिट सेंटर में मठरी, चकली, नमकीन बनाने का सिखाया जा रहा हुनर

*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग*

भिलाई महिला समाज (बीएमएस) ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में नई पहल करते हुए सेक्टर-6 स्थित हैंडग्लव्स यूनिट सेंटर में तेजस्विनी महिला स्नैक्स कुटीर उद्योग इकाई का शुभारंभ किया। कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती छवि निगम के नेतृत्व में शुरू हुई इस इकाई में महिलाओं को स्वरोजगार आधारित प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

**पारंपरिक स्नैक्स बनाने का प्रशिक्षण:** तेजस्विनी इकाई के तहत महिलाओं को मीठी मठरी, सलोनी, चूड़ा, नमकीन सेव, चकली समेत विभिन्न घरेलू स्नैक्स तैयार करने की विधि सिखाई जा रही है। प्रशिक्षण सत्र का संचालन श्रीमती उषा साहू ने किया।

पदाधिकारी रहे मौजूद

शुभारंभ अवसर पर कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती छवि निगम के साथ उपाध्यक्ष श्रीमती केका सरकार, श्रीमती पूनम कुमार एवं श्रीमती स्मिता भास्कर उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में महासचिव श्रीमती सोनाली रथ, सह सचिव श्रीमती चैती पॉल, सहकोषाध्यक्ष श्रीमती रीता तिवारी, वर्किंग कमेटी के सदस्य, प्रबंधक, सुपरवाइजर एवं कार्यकर्ता भी मौजूद थे।

**1959 से महिलाओं के सशक्तिकरण में जुटी संस्था :** उल्लेखनीय है कि भिलाई महिला समाज की स्थापना 4 अगस्त 1959 को हुई थी। यह क्षेत्र की सबसे पुरानी एवं प्रतिष्ठित महिला संस्थाओं में से एक है। संस्था स्थापना काल से ही जरूरतमंद महिलाओं एवं बच्चों के कल्याण के लिए सामाजिक व रचनात्मक गतिविधियां संचालित कर रही है।

बीएमएस समय-समय पर महिलाओं को विविध व्यावसायिक

# कबड्डी हमारी जमीन व धरातल की खेल है इसे शिद्दत से खेलने की आवश्यकता : टिकेश्वरी

*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-अण्डा*

दुर्ग ग्रामीण विधानसभा के ग्राम भरदा दुर्ग मे प्रदेश स्तरीय कबड्डी स्पर्धा का आयोजन संपन्न हुआ। यह स्पर्धा न्यू शिवजी क्रीड़ा मंडल के बैनर तले संपन्न हुआ, जिसमे छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलो से 45 टीमो ने हिस्सा लिया। यह स्पर्धा खिलाडियों के संरक्षण एवं समर्थन एवं प्रदर्शन के लिए विशेष रूप से आयोजित की गयी थी, जिसमे 500 से अधिक खिलाडी सम्मिलित हुए थे।

स्पर्धा के मुख्य अतिथि टिकेश्वरी लाल देशमुख कार्यकारी अध्यक्ष दुर्ग जिला कबड्डी संघ ने खिलाडियों का संबल बढ़ाते हुए कहा की कबड्डी हमारी जमीन एवं धरातल की खेल है इसे शिद्दत से खेलने की आवश्यकता है। यह आयोजन अपनी प्रतिभा को पहचान देने के लिए किया गया है, मुझे विश्वाश है की उपस्थित खिलाडी प्रदेश का गौरव बढ़ाएंगे, कबड्डी को प्रदेश देश एवं विदेश मे इस प्रयास के लिए सभी को नये चिंतन के साथ आगे बढ़ने का आग्रह किया। इस अवसर पर इस आयोजन की अध्यक्षता करते हुए ग्राम भरदा की सरपंच सुनीता भारदीय ने भी आयोजन की सफलता के लिए शुभकामनाएं दी। स्पर्धा मे उत्कृष्ट खिलाडियों का सम्मान किया गया जिसमे जिला बलोद

बम्हनी की टीम ने उत्कृष्ट स्थान प्राप्त किया, द्वितीय स्थान पर धमतरी हिर्री तथा तृतीय बिलासपुर एवं चतुर्थ स्थान पर जिला राजनंदगांव भरदा खुद रहा। अतिथियो द्वारा सभी उत्कृष्ट टीमो एवं खिलाडियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कबड्डी संग दुर्ग जिला के पूर्व अध्यक्ष जयप्रकाश भारदीय, निर्मल देशमुख, शुभम देशमुख, गिरधर यादव, सोनसिंह यादव, अमन यादव, दुर्गेश यादव, देवराज देशमुख, समेंद्र निषाद, चंद्रिका देशमुख दीपक यादव जी, अरुण यादव, मुलचंद् देशमुख, पिटेश्वर यादव, श्रवण देशमुख, अशोक देशमुख, दीपक ठाकुर आदि ऑफिशियल निर्णायक कमिटी एवं ग्राम वासी बड़ी संख्या मे उपस्थित थे।

# 3 दिवसीय विशाल एकीकृत योग शिविर 30 से, मिलेगी चिकित्सा पद्धतियों की जानकारी

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

इस्पात नगरी भिलाई में तीन दिवसीय विशाल एकीकृत योग शिविर का आयोजन 30 मई से मनसा कॉलेज कुरूद रोड कोहका में किया जा रहा है। शिविर में तीनों दिन पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के मुख्य केंद्रीय प्रभारी स्वामी परमार्थ देव की विशेष उपस्थिति रहेगी। पतंजलि योग समिति, भारत स्वाभिमान न्यास, पतंजलि युवा भारत और किसान सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस तीन दिवसीय विशाल शिविर में सुबह 5:15 बजे से 7:30 बजे तक योग के माध्यम से निरोग रहने विविध योगासनों का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इस संदर्भ में भारत स्वाभिमान न्यास छत्तीसगढ़ प्रमुख अनूप बंसल और युवा भारत के प्रभारी जयंत भारती ने बताया कि शिविर में समूचे छत्तीसगढ़ से बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति रहेगी वहीं एकीकृत चिकित्सा पद्धतियों में योग के साथ-साथ यज्ञ चिकित्सा, वॉटर थेरेपी और एक्यूप्रेशर के माध्यम से

उपचार के संबंध में जानकारी दी जाएगी। इस दौरान चयनित लोगों का आयोजन स्थल पर उपचार भी किया जाएगा। यहां कार्यकर्ताओं को इन एकीकृत चिकित्सा पद्धतियों के बारे में विशेषज्ञों द्वारा विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, जिसमें कायर्शाला में विभिन्न सत्र होंगे।

शिविर में स्वामी परमार्थ देव की उपस्थिति को विशेष उपलब्धि माना जा रहा है। आयोजकों ने बताया कि स्वामी परमार्थ देव 30 व 31 मई और एक जून को तीनों दिन योग शिविर की निगरानी करेंगे तथा शिविर में उपस्थित लोगों का मार्गदर्शन करेंगे। योग शिविर के अलावा स्वामी परमार्थ देव के अन्य कार्यक्रम भी रखे गए हैं। जिसमें 30 मई को राजनांदगांव में कार्यकर्ता सम्मेलन में भाग लेंगे। वहीं राजनांदगांव,बालोद, खैरागढ़ व मानपुर मोहला जिले के योग शिक्षकों एवं पदाधिकारियों के साथ विशेष बैठक करेंगे। इसी तरह 31 मई को भिलाई के योग शिविर में भाग लेने के साथ स्वामी परमार्थ देव आयोजन स्थल पर ही सुबह 8:00 बजे से 10:00 बजे तक कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

उल्लेखनीय है कि स्वामी परमार्थ देव, हरिद्वार स्थित पतंजलि योगपीठ और भारत स्वाभिमान (न्यास) के मुख्य केंद्रीय प्रभारी हैं। वह योग ऋषि स्वामी रामदेव के प्रमुख शिष्यों में से एक हैं और भारत भर में योग, आयुर्वेद और सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार तथा योग शिविरों के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे पतंजलि परिवार (महिला पतंजलि, युवा भारत आदि) के माध्यम से आमजन और ग्रामीण क्षेत्रों तक योग विद्या को पहुँचाने के लिए निरंतर देशव्यापी शिविरों का नेतृत्व कर रहे हैं। आयोजकों ने बताया कि शिविर की सारी तैयारियां अंतिम चरण में है। उन्होंने ज्यादा से ज्यादा लोगों से इस निःशुल्क योग शिविर का लाभ उठाने की अपील की है। आयोजन की तैयारियों में नरेंद्र पटेल, शंभू प्रसाद कुशवाहा, पिंकी चौधरी, प्रतिभा, उवर्शी शर्मा, प्रीति त्रिपाठी, मुरलीधर साहू, संदीप, दिनेश शर्मा, देवेश सिंह साहू, भावेश साहू, राजेश तिवारी, तिजाऊ राम साहू और बलवंत सिंह सहित अन्य लोग जुटे हैं।

## मतदान दिवस 1 जून को संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में रहेगा सामान्य अवकाश

**दुर्ग।** छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग, नवा रायपुर की समय-अनुसूची के अनुसार जिले के जनपद पंचायत दुर्ग, धमधा एवं पाटन में पंच व जनपद सदस्य के पद हेतु त्रिस्तरीय पंचायत उप-निर्वाचन 2026 के लिए निर्वाचन की अधिसूचना जारी की गई है, जिसके साथ ही संबंधित क्षेत्रों में आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो गई है। छत्तीसगढ़ सामान्य प्रशासन विभाग से मिले अधिकारों और निगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट 1881 के नियमों के तहत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अभिजीत सिंह ने मतदान के दिन यानी 01 जून 2026 (सोमवार) को संबंधित चुनाव क्षेत्रों के सभी सरकारी कार्यालयों और संस्थानों में सामान्य छुट्टी घोषित किया है। यह अवकाश ग्राम पंचायत के पंच पद हेतु संबंधित वार्ड में तथा जनपद सदस्य पद हेतु संबंधित ग्राम पंचायत क्षेत्र में ही प्रभावी रहेगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जनपद पंचायत दुर्ग के अंतर्गत ग्राम पंचायत भोथली के वार्ड क्रमांक 11 तथा उमरपोटी के वार्ड क्रमांक 19 में पंच पद चुनाव के लिए यह अवकाश रहेगा।

## निधन

### राजकुमारी सिंह

**भिलाई।** गौतम नगर वार्ड 42, जोन 01 खुर्सीपार निवासी 94 वर्षीय श्रीमती राजकुमारी सिंह का शुक्रवार रात 8 बजे उनके निवास पर निधन हो गया। स्वर्गीय श्रीमती सिंह, स्व. कमला सिंह की धर्मपत्नी थीं। उनका अंतिम संस्कार शनिवार 30 मई को रामनगर मुक्तिधाम में किया गया। वे आनंद सिंह की माता एवं सुमित सिंह, अमित सिंह और आदित्य सिंह की दादी थीं।

### शिवमंगल प्रसाद शुक्ला

**भिलाई।** विद्या विहार, नेहरू नगर पश्चिम निवासी शिक्षक कांग्रेस के प्रांताध्यक्ष, प्रिंसिपल एसोसिएशन एवं कर्मचारी अधिकारी संयुक्त मोर्चा के प्रांतीय संयोजक अनिल शुक्ला के पिता शिवमंगल प्रसाद शुक्ला का शुक्रवार को निधन हो गया। उनकी अंतिम संस्कार 30 मई को रामनगर मुक्तिधाम में किया गया। शिक्षक कांग्रेस के प्रांतीय प्रमुख महामंत्री सुनील यादव ने शोक व्यक्त करते हुए बताया कि स्व. शिवमंगल प्रसाद शुक्ला सरल स्वभाव के धनी थे।

# नैनो यूरिया-डीएपी किसानों की नई पसंद, लागत में बचत के साथ बढ़ेगा उत्पादन

## वैज्ञानिक खेती की ओर कदम : मिट्टी की उर्वरता भी रहेगी बरकरार, पर्यावरण को फायदा

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

खेती की बढ़ती लागत और घटती मिट्टी की उवर्रा शक्ति के बीच नैनो यूरिया और नैनो डीएपी किसानों के लिए नया विकल्प बनकर उभरे हैं। कृषि वैज्ञानिकों का मानना है कि संतुलित और वैज्ञानिक तरीके से इनके उपयोग से लागत घटेगी, उत्पादन सुधरेगा और मिट्टी की गुणवत्ता बनी रहेगी। छत्तीसगढ़ सहित धान उत्पादक इलाकों में अब किसान इन नैनो उर्वरकों की ओर रुख कर रहे हैं।

### कितनी होगी बचत

आमतौर पर धान की खेती में प्रति एकड़ 2-3 बोरी यूरिया और 1 बोरी डीएपी लगती है। यूरिया 270 रुपये और डीएपी 1350 रुपये प्रति बोरी के हिसाब से सिर्फ खाद पर 1900 से 2200 रुपये खर्च होते हैं। कृषि विशेषज्ञों के मुताबिक 500 मिली नैनो यूरिया की एक बोतल का असर एक बोरी पारंपरिक यूरिया के बराबर है। दो बोतल नैनो यूरिया से दो बोरी ठोस यूरिया की जगह ली जा सकती है। दो बोरी यूरिया 540 रुपये की पड़ती है, जबकि दो बोतल नैनो यूरिया 450-500 रुपये में आ जाती है। इससे प्रति एकड़ करीब 100 रुपये की सीधी बचत के साथ परिवहन, भंडारण और मजदूरी का खर्च भी घटता है। इसी तरह 50 किलो डीएपी की जगह 25 किलो डीएपी के साथ 500 मिली नैनो डीएपी इस्तेमाल करने पर प्रति एकड़ 75 से 150 रुपये तक बचाए जा सकते हैं।

### फसल और मिट्टी दोनों को फायदा

वैज्ञानिकों का कहना है कि पारंपरिक यूरिया का बड़ा हिस्सा मिट्टी और पानी में नष्ट हो जाता है। नैनो यूरिया के सूक्ष्म कण पौधे तेजी से अवशोषित करते हैं, जिससे संतुलित पोषण मिलता है। संतुलित उपयोग से फसल की बढ़वार बेहतर होती है, हरियाली लंबे समय तक रहती है और दानों का भराव मजबूत होता है। कई परीक्षणों में 5 से 8% तक उत्पादन वृद्धि देखी गई है। लगातार रासायनिक खाद से मिट्टी की उवर्रा शक्ति घटती है। नैनो उर्वरक मिट्टी में पोषक तत्वों का संतुलन बनाए रखते हैं, रासायनिक अवशेष घटाते हैं और भूजल प्रदूषण कम करते हैं।

### आत्मनिर्भरता की ओर कदम

विशेषज्ञों के अनुसार नैनो उर्वरकों का उपयोग बढ़ने से आयातित उर्वरकों पर निर्भरता घटेगी, विदेशी मुद्रा बचेगी और देश में उर्वरक उद्योग व रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। कृषि विभाग ने बताया कि रायपुर जिले की समितियों में अभी 9,102 मीट्रिक टन यूरिया और 3,092 मीट्रिक टन डीएपी उपलब्ध है। कुल भंडारण यूरिया 10,732 मीट्रिक टन और डीएपी 3,927 मीट्रिक टन है। साथ ही कृषि सेवा केंद्रों व समितियों में नैनो यूरिया और नैनो डीएपी की उपलब्धता भी बढ़ाई जा रही है।

कृषि वैज्ञानिकों का मानना है कि वैज्ञानिक खेती और संतुलित उर्वरक उपयोग ही भविष्य में खेती को टिकाऊ और लाभकारी बनाएगा। नैनो उर्वरक कम लागत, बेहतर उत्पादन और मिट्टी की सुरक्षा के लिए अहम तकनीकी विकल्प साबित हो सकते हैं।

---

**खास खबर**

## पावर कंपनी के ईडी मनीष गुप्ता सहित आठ कर्मचारियों को दी भावभीनी विदाई

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

### सेवा भवन में तीनों प्रबंध निदेशकों ने किया सम्मानित, योगदान को सराहा

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज ने गुरुवार को सेवा भवन में आयोजित समारोह में जनरेशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) मनीष कुमार गुप्ता सहित कुल 8 अधिकारी-कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति पर भावभीनी विदाई दी।

प्रबंध निदेशक (जनरेशन) एसके कटियार, प्रबंध निदेशक (ट्रांसमिशन) राजेश कुमार शुक्ला तथा प्रबंध निदेशक (डिस्ट्रीब्यूशन) भीम सिंह कंवर ने ईडी मनीष गुप्ता को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। प्रबंध निदेशकों ने कहा कि श्री गुप्ता के समर्पण, उत्कृष्ट कार्यशैली एवं अनुभवों से पॉवर कंपनी के विकास कार्यों को नई दिशा और गति मिली है। श्री गुप्ता ने सेवाकाल के अनुभव साझा करते हुए प्रबंधन व सभी अधिकारियों-कर्मचारियों का आभार जताया।

### इन कर्मियों को भी दी गई विदाई

लोड डिस्पेच सेंटर में आयोजित एक अन्य कार्यक्रम में रायपुर के वरिष्ठ पयर्वेक्षक (परीक्षण) योगेश्वर प्रसाद साहू, राजनांदगांव के वरिष्ठ पयर्वेक्षक प्रमोद कुमार उइके, भिलाई के वरिष्ठ पयर्वेक्षक (परीक्षण) यशवंत कुमार स्वणर्कार, कोरबा के लाइन सहायक श्रेणी-एक रामकिशुन साहू, लाइन सहायक श्रेणी-एक एल.गोपी राव, लाइन सहायक श्रेणी-दो रूपराम साहू और फार्मासिस्ट संजय कुमार डुमरे को सम्मानित कर विदाई दी गई। जनरेशन कंपनी ने भी प्रबंध निदेशक (उत्पादन) कार्यालय में ईडी मनीष गुप्ता का सम्मान किया। समारोह में कार्यपालक निदेशक के एस मनोठिया, एम एस कंवर, एस के ठाकुर, आर पी नामदेव सहित मुख्य अभियंता सुभाष शर्मा, रोहित धारीवाल, रजनीश जांगड़े, डी के चावड़ा, सीएमओ एच एल पंचारी समेत बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन उपमहाप्रबंधक (जनसंपर्क) गोविंद पटेल एवं प्रकाशन अधिकारी अनामिका मंडावी ने किया। आभार प्रदर्शन अधीक्षण अभियंता पंकज चौधरी ने किया।

### कारखानों में औद्योगिक सुरक्षा व आपदा प्रबंधन व्यवस्थाओं को सुदृढ़ और प्रभावी बनाने मॉक ड्रिल का आयोजन

**रायपुर।** राज्य सरकार के निर्देश पर कारखानों में संभावित दुर्घटनाओं की पूर्ण रोकथाम हेतु आज शुक्रवार को मेसर्स-सारडा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड में औद्योगिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से एक व्यापक मॉक ड्रिल का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस अभ्यास का उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता, बचाव एवं राहत कार्यों की दक्षता तथा विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय की प्रभावशीलता का परीक्षण एवं सुदृढ़ीकरण करना है। कार्यक्रम में औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा संचालनालय के उप संचालक आशुतोष पांडे उपस्थित रहे। इस अवसर पर क्षेत्र के विभिन्न औद्योगिक प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधियों ने भी सहभागिता करते हुए कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। इनमें जायसवाल निको इंडस्ट्रीज के हेड एचआर आलोक पांडे, रियल इस्पात के हेड एचआर शिव कुमार यादव, गोदावरी इस्पात के पेलेट प्लांट हेड सुधाकर तिवारी, सुरक्षा विभाग प्रमुख ईशान ताम्रकार तथा आईओसीएल के अधिकारीगण प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। मॉक ड्रिल का संचालन सारडा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड के हेड-एचएसई अमित कुमार मिश्रा के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर सारडा ग्रुप के प्रबंध निदेशक पंकज सारडा, हेड ऑपरेशन मनोज शाह, पेलेट प्लांट हेड कोमल धुरंधर एवं हेड एचआर विवेक चौधरी विशेष रूप से उपस्थित रहे। मॉक ड्रिल के दौरान कारखाने के अंतर्गत स्थापित पैलेट प्लांट में विषैली प्रोड्यूसर गैस/सीओ गैस के लीकेज के परिणामस्वरूप कार्यस्थल में नियोजित श्रमिको की संभावित दुर्घटना तथा अग्निकारक आपातकालीन परिस्थितियों में अपनाई जाने वाली सुरक्षा प्रक्रियाओं, त्वरित बचाव कार्यों एवं राहत प्रबंधन का प्रभावी प्रदर्शन किया गया।

---

# बस्तर व जनजातीय समाज के लिए चार दशक का समर्पण मानवता की मिसाल : मुख्यमंत्री साय

## पद्मश्री डॉ. सुनीता व डॉ. रामचंद्र गोडबोले के सेवा कार्यों की मुख्यमंत्री ने की सराहना

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने निवास कार्यालय में पद्मश्री से सम्मानित समाजसेवी दंपति डॉ. सुनीता गोडबोले और डॉ. रामचंद्र गोडबोले से आत्मीय मुलाकात कर उनके द्वारा बस्तर और जनजातीय समाज के बीच चार दशकों से अधिक समय से किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना की। मुलाकात के दौरान गोडबोले दंपति ने मुख्यमंत्री को बताया कि बस्तर और बस्तरवासियों से हमें गहरा प्रेम है। हम गोंडी और हल्बी में उनसे संवाद करते हैं, यही हमारी संस्कृति है और अब हम बस्तर नहीं छोड़ना चाहते हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस आत्मीय भावना को बस्तर, उसकी संस्कृति और जनजातीय समाज के प्रति गहरे समर्पण का प्रतीक बताते हुए कहा कि यह केवल सेवा का विषय नहीं, बल्कि मानवीय आत्मीयता, संवेदनशीलता और सामाजिक प्रतिबद्धता की दुर्लभ मिसाल है।

मुख्यमंत्री साय ने गोडबोले दंपति को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनका पद्मश्री सम्मान केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश, विशेष रूप से बस्तर, जनजातीय समाज और बस्तरवासियों के सम्मान का विषय है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सेवा, समर्पण और मानवता की मिसाल बने गोडबोले दंपति का सम्मानित होना छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने कहा कि डॉ. सुनीता गोडबोले और डॉ. रामचंद्र गोडबोले ने चार दशकों से अधिक समय तक बस्तर और अबूझमाड़ जैसे दुर्गम क्षेत्रों में समर्पण और संवेदनशीलता के साथ कार्य कर यह उदाहरण प्रस्तुत किया है कि सेवा का वास्तविक अर्थ समाज के सबसे जरूरतमंद व्यक्ति तक अपनत्व, विश्वास और मानवीय संवेदना पहुंचाना है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गोडबोले दंपति ने जनजातीय समाज तक पहुंचकर निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया, कुपोषण, टीबी, मलेरिया, पीलिया और अन्य गंभीर बीमारियों के प्रति जागरूकता फैलायी तथा शिक्षा और नशामुक्ति जैसे विषयों पर उल्लेखनीय कार्य किया। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों और सीमित संसाधनों के बावजूद जनजातीय समाज के बीच बने रहना और सेवा करते रहना असाधारण समर्पण का उदाहरण है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गोडबोले दंपति केवल चिकित्सक के रूप में नहीं, बल्कि जनजातीय समाज के आत्मीय सहयोगी के रूप में कार्य करते रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नक्सलवाद के कठिन दौर में भी गोडबोले दंपति ने सेवा का मार्ग नहीं छोड़ा और मानवता को सर्वोपरि रखते हुए जनजातीय समाज के बीच लगातार कार्य करते रहे। उन्होंने कहा कि जब भय और असुरक्षा का वातावरण था, तब भी इनका बस्तर और उसके लोगों के प्रति विश्वास और प्रतिबद्धता कमजोर नहीं हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दर्शाता है कि इस प्रदेश, इसकी संस्कृति और जनजातीय समाज के प्रति उनका प्रेम कितना गहरा और आत्मीय है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वनवासी कल्याण आश्रम से उनका स्वयं का जुड़ाव रहा है और वे जानते हैं कि आश्रम के संस्कार सेवा, समर्पण और समाज के प्रति आत्मीयता की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि आश्रम की यात्रा और उसके मूल उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक संवेदनशीलता और आत्मीय सहयोग पहुंचाने के विचार से जुड़े हैं तथा यह कार्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन की मजबूत नींव तैयार करता है। मुलाकात के दौरान गोडबोले दंपति से संवाद करते हुए बस्तर के विकास के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे सूक्ष्म स्तर के प्रयासों और काययीजना की जानकारी भी साझा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार बस्तर में विकास और विश्वास की नीति पर गंभीरता से कार्य कर रही है ताकि सुरक्षा के साथ-साथ लोगों तक शासन, सेवाएं और अवसर भी पहुंचें। उन्होंने कहा कि सरकार सुरक्षा व्यवस्था को केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं रखना चाहती, बल्कि उसे जनसेवा से जोड़ते हुए व्यापक सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बना रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सरकार सुरक्षा कैंपों को सेवा डेरा के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य कर रही है, ताकि वहां सुरक्षा के साथ स्वास्थ्य, शिक्षा, बैंकिंग, जनसेवा और बुनियादी सुविधाओं का विस्तार सुनिश्चित हो सके। मुख्यमंत्री ने नियद नेल्ला नार जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार दूरस्थ क्षेत्रों तक शासन की पहुंच सुनिश्चित कर रही है और वहां विकास कार्यों को नई गति मिल रही है। उन्होंने कहा कि बस्तर में विकास, सुरक्षा और विश्वास का जो नया वातावरण बना है, वह संवेदनशील शासन और सतत प्रयासों का परिणाम है। मुख्यमंत्री श्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि गोडबोले दंपति की समर्पण और सेवा की भावना पूरे छत्तीसगढ़ में जनसेवा और सामाजिक जागरूकता की नई चेतना को मजबूत करेगा।

---

# नगरीय प्रशासन विभाग की सचिव ने विकास कार्यों का किया निरीक्षण

स्वच्छता, आवास, तालाब सौंदर्यीकरण व ईको पार्क का किया अवलोकन

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की सचिव श्रीमती शंगीता आर. ने आज गरियाबंद में विकास कार्यों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने नगर पालिका के वार्ड क्रमांक-7 में एमआरएफ सेंटर पहुंचकर स्वच्छता दीदियों से ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, कचरा कलेक्शन और कचरे के अलग-अलग वर्गीकरण के बारे में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने स्वच्छता दीदियों द्वारा 110 प्रकार के कचरे को अलग-अलग वर्गीकृत किए जाने की जानकारी मिलने पर स्वच्छता दीदियों की सराहना की और कार्य के दौरान स्वास्थ्य सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने को कहा। उन्होंने मास्क, दस्ताने, जैकेट, जूते और आवश्यक सुरक्षा सामग्री का अनिवार्य रूप से उपयोग करने को कहा।

नगरीय प्रशासन विभाग की सचिव ने स्वसहायता समूह की महिलाओं को पीएम स्वनिधि योजना के माध्यम से लोन लेकर अपने स्वरोजगार को बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही नागरिकों को डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण के साथ स्वच्छता के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता को आदत में लाने पर ही नगरीय निकाय स्वच्छ और सुंदर बन सकेगा। इस दौरान उन्होंने बताया कि हाल ही में दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में छत्तीसगढ़ की 10 हजार से अधिक महिलाओं के द्वारा वर्षभर कचरा संग्रहण और पृथक्करण किए जाने की सराहना राष्ट्रीय स्तर पर की गई है।

श्रीमती शंगीता आर. ने वार्ड क्रमांक-8 में श्रीमती केशरी नागेश के प्रधानमंत्री आवास का निरीक्षण कर समय-सीमा में निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि बरसात से पहले आवास का लाभ मिल सके। उन्होंने वार्ड क्रमांक-4 में तालाब सौंदर्यीकरण कार्य का अवलोकन करते हुए साफ-सफाई, पिचिंग और गहरीकरण का कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने को कहा, जिससे नागरिकों को पर्याप्त निस्तारीकरण जल उपलब्ध हो सके और जल संवर्धन भी सुनिश्चित हो।

विभागीय सचिव ने ईको पार्क का निरीक्षण कर पौधों की सुरक्षा, सिंचाई व्यवस्था, लगाए गए पौधों तथा वीमन्स फार ट्री के तहत लगाए गए पौधों की जानकारी ली। उन्होंने पार्क को बेहतर पर्यावरणीय एवं मनोरंजक स्थल के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। गरियाबंद जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर, सूडा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शशांक पाण्डेय, नगरीय प्रशासन विभाग के अपर संचालक पुलक भट्टाचार्य, संयुक्त संचालक एसके सुंदरानी और सीएमओ श्रीमती संध्या वर्मा भी निरीक्षण के दौरान मौजूद थीं।

---

# जनआंदोलन दबाने की साजिश, अमित सहित तीन की गिरफ्तारी राजनीतिक षड्यंत्र-जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी

## 19 महीने पुराने मामले में गिरफ्तारी, आयोग की रिपोर्ट दबाई-छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना का आरोप

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी एवं छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना ने अमित बघेल, अजय यादव और दिनेश वर्मा की गिरफ्तारी को राजनीतिक षड्यंत्र करार दिया है। पार्टी ने आरोप लगाया कि सरकार चुनाव तक इन्हें जेल में रखकर जनआंदोलन की आवाज दबाना चाहती है। पार्टी ने कहा कि तीनों के खिलाफ दर्ज सभी मामले पिछले 11 साल के जनआंदोलनों से जुड़े हैं। उन पर चोरी, डकैती या जालसाजी का कोई मामला नहीं है। वे हमेशा किसानों, युवाओं और छत्तीसगढ़ के अधिकारों के लिए लड़े हैं।

### 19 महीने बाद अचानक गिरफ्तारी पर सवाल

10 जून 2024 की घटना के करीब 19 महीने बाद अचानक तीनों को गिरफ्तार किया गया। पार्टी का कहना है कि पुलिस सभी मामलों में पहले ही चालान पेश कर चुकी थी और न्यायालय में ट्रायल चल रहा था। ऐसे में अब गिरफ्तारी कानून के आधार पर नहीं, सरकार के इशारे पर की गई है।

### एक घटना, चार केस

पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया कि केवल पुलिस अधिकारियों के बयान के आधार पर एक ही घटना को अलग-अलग तरीके से पेश कर चार अलग-अलग मामले दर्ज किए गए। यह न्याय प्रक्रिया का दुरुपयोग है।

### भड़काऊ भाषण का कोई सबूत नहीं

पार्टी ने कहा कि पुलिस आज तक ऐसा कोई फोटो या वीडियो पेश नहीं कर पाई जिसमें अमित बघेल या अजय यादव मंच से भाषण देते, कलेक्टर परिसर में मौजूद रहते या घटना का नेतृत्व करते दिखें। इसके बावजूद भड़काऊ भाषण का आरोप लगाया जा रहा है। ह्लअगर भाषण दिया है तो पुलिस उसे सार्वजनिक क्यों नहीं करती ?ह्व पार्टी ने सवाल उठाया।

### 198 में से 195 को जमानत, इन्हें क्यों नहीं?

इस पूरे मामले में कुल 13 केस दर्ज कर 198 लोगों को आरोपी बनाया गया था। 195 लोगों को कोर्ट से जमानत मिल चुकी है। सिर्फ अमित बघेल, अजय यादव और दिनेश वर्मा को जमानत नहीं मिलना सरकार की मंशा पर सवाल खड़े करता है।

### न्यायिक आयोग की रिपोर्ट दबाने का आरोप

पार्टी ने कहा कि राज्य सरकार ने खुद घटना की जांच के लिए न्यायिक आयोग बनाया था। आयोग रिपोर्ट सौंप चुका है, लेकिन आज तक सार्वजनिक नहीं की गई। सरकार पारदर्शी है तो रिपोर्ट जनता के सामने क्यों नहीं लाती?

### जोड़ा जैतखाम काटने वाला असली दोषी कौन?

पार्टी ने पूछा कि सरकार और पुलिस प्रशासन को बताना चाहिए कि जोड़ा जैतखाम को काटने वाला वास्तविक दोषी कौन है। जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी ने कहा कि यह लड़ाई तीन व्यक्तियों की नहीं, न्याय, सत्य और संवैधानिक अधिकारों की है। सरकार अपनी नाकामी छिपाने के लिए दमनकारी कार्रवाई कर रही है। संघर्ष जारी रहेगा और न्याय मिलने तक लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन किया जाएगा।

---

# छत्तीसगढ़ में मैंगों टूरिज्म की है अपार संभावनाएं - राज्यपाल रमेन डेका

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

आम केवल एक फल नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति, कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। किसानों को पारंपरिक खेती के साथ आधुनिक तकनीकों को अपनाकर आम उत्पादों को बडे रूप में विकसित करने के लिए आगे बढ़ना चाहिए। राज्यपाल रमेन डेका आज इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर में आयोजित राष्ट्रीय आम महोत्सव के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने की।

राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि भारत विश्व में आम उत्पादन में अग्रणी है और देश में एक हजार से अधिक किस्मों के आम पाए जाते है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के स्थानीय आमों की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश के किसानों को उच्च गुणवत्ता वाली किस्मों के उत्पादन से अपनी अलग पहचान बनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनियां और महोत्सव देश के विभिन्न राज्यों से आए आम उत्पादकों को एक-दूसरे की उन्नत खेती पद्धतियों, नई किस्मों और नवाचारों की जानकारी प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि बस्तर, कोण्डागांव, कांकेर और सरगुजा जैसे क्षेत्रों में आम उत्पादन की बहुत संभावनाएं है। महिला स्व-सहायता समूहों के लिए भी इस क्षेत्र में रोजगार और उद्यमिता के व्यापक अवसर मौजूद है। मैंगों टूरिज्म की भी छत्तीसगढ़ में अपार संभावनाएं है।

राज्यपाल ने कहा कि आम उत्पादन के साथ-साथ इसके वैल्यू एडिशन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। इसके लिए कृषि विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम को मिलकर कार्य करना चाहिए। श्री डेका ने कहा कि हमारे जीवन को ईको फैंडली बनाना आज की आवश्यकता है। जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न उपायों को अपनाना होगा। उन्होंने एक पेड़ मां के नाम पर लगाने और रेन वाटर हार्वेस्टिंग पर विशेष जोर दिया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आम फलों का राजा है। आम की पत्तियों और लकड़ियों का भी हमारे जीवन में अत्यधिक महत्व है। हमारे घरों में मांगलिक कार्य होने पर हम आम की पत्तियों से तोरण बनाते है एवं आम की सूखी लकड़ियों का उपयोग हवन एवं पूजा में करते है। इस महोत्सव में 250 से अधिक किस्मों के आम प्रदर्शित किए गए है। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेशवासियों को इस महोत्सव का लाभ लेने हेतु प्रेरित किया। प्रदर्शनी मे बेर के आकार से लेकर बीजापुर के हाथीझुल जैसे बड़े किस्मों के आम भी उपलब्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मंशानुरूप किसानों की आय दुगुनी करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है और आम की खेती भी इस संकल्प को पूरा करने के लिए सहायक सिद्ध होगी।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर, छत्तीसगढ़ राज्य कृषक कल्याण परिषद के अध्यक्ष सुरेश चंद्रवंशी एवं इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, निदेशक अनुसंधान सेवाएं डॉ. विवेक कुमार त्रिपाठी सहित अन्य विश्वविद्यालयों के कुलपति, अधिष्ठाता, प्राध्यापकगण, किसान एवं बड़ी संख्या में दर्शकगण उपस्थित थे।

---

# तुलसी नगर में पानी-सफाई की समस्या को लेकर जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी ने सौंपा ज्ञापन, आंदोलन की दी चेतावनी

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

वार्ड क्रमांक 26 तुलसी नगर की बुनियादी समस्याओं को लेकर जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी ने गुरुवार को नगर निगम जोन-2 के आयुक्त को ज्ञापन सौंपा। पार्टी ने पानी की कमी, गंदे पानी की आपूर्ति और नालियों की सफाई बंद होने पर नाराजगी जताते हुए त्वरित कार्रवाई की मांग की। मांगें पूरी नहीं होने पर उग्र जन-आंदोलन की चेतावनी दी गई है।

**तीन प्रमुख समस्याएं रखीं :** जिला अध्यक्ष लक्ष्मी नाग ने बताया कि तुलसी नगर में पानी और साफ-सफाई की व्यवस्था चरमरा गई है। पार्षद से शिकायत के बाद भी सुनवाई नहीं होने पर वाडर्वासियों ने पार्टी से मदद मांगी। ज्ञापन में तीन मुख्य मुद्दे उठाए गए।

**कमजोर पाइपलाइन:** वार्ड की पानी सप्लाई लाइन पुरानी और पतली हो गई है। प्रेशर नहीं होने से अंतिम छोर के घरों तक पानी नहीं पहुंचता। मुख्य लाइन से जोड़कर बड़ी पाइपलाइन बिछाने की मांग की गई।

**गंदा पेयजल:** कई दिनों से नलों में बदबूदार और मटमैला पानी आ रहा है। लीकेज के कारण नाली का गंदा पानी पीने के पानी में मिल रहा है। इससे पीलिया, डायरिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है।

**चोक नालियां:** वार्ड की नालियों की दैनिक सफाई बंद है। कचरा जमने से नालियां चोक हो गईं और गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है। मच्छरों और दुर्गंध से रहना मुश्किल हो गया है।

### प्रशासन को चेतावनी

जिला उपाध्यक्ष ऋचा वर्मा ने कहा कि जनहित में तुरंत नई पाइपलाइन की मंजूरी दी जाए, स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति हो और नालियों की नियमित सफाई के निर्देश जारी किए जाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द कदम नहीं उठाए गए तो पार्टी जनता के साथ मिलकर उग्र आंदोलन करेगी, जिसकी जिम्मेदारी नगर निगम प्रशासन की होगी।

संपादकीय

# जैसे तैसे ढाई साल का वादा पूरा किया

**कर्नाटक में छत्तीसगढ़ की तरह सीएम पद के विवाद को भविष्य के लिए टालने कांग्रेस आलाकमान ने सिध्दारमैया को सीएम बना दिया था। शिवकुमार भी सिध्दारमैया के बाद ढाई साल सीएम बने रहने के लिए तैयार हो गए। ढाई साल तक इस मामले में कोई विवाद तो होना नहीं था क्योंकि दोनों को आलाकमान पर भरोसा था कि उन्होंने ढाई साल कहा है तो ढाई साल बाद सिध्दारमैया इस्तीफा देंगे और शिवकुमार को सीएम बनाया जाएगा ।छत्तीसगढ़ की तरह विवाद तो ढाई साल बाद शुरू होना ही था और हुआ भी ।सिध्दारमैया के ढाई साल पूरे होने के बाद पिछले कई महीनों से कयास लगाए जा रहे थे कि आलाकमान ढाई साल पूरे हो गए हैं तो वह सिध्दारमैया को इस्तीफा देने को कहेगा और शिवकुमार के सीएम बनने का रास्ता साफ हो जाएगा।**

शिवकुमार तो चाहते थे कि वादे के मुताबिक सीएम सिध्दारमैया को ढाई साल पूरे पर खुद ही इस्तीफा दे दें। ऐसा हुआ नहीं, महीनों सिध्दारमैया यही कहते रहे कि वह पूरे पांच साल के सीएम है,साथ ही यह भी जरूर कहते थे कि आलाकमान कहेगा तो वह सीएम का पद छोड़ देंगे। यानी वह बिना कहे सबको यह संदेश देते रहते थे कि आलाकमान ने उनको सीएम पद छोड़ने को नहीं कहा है तो वह पद कैसे छोड़ दें। इस तरह ढाई साल पूरा होने के बाद भी सिध्सदारमैया कई महीनों तक सीएम बने रहे। एम की कुर्सी मिल जाती है तो सिध्दारमैया हो या भूपेश बघेल या अशोक गहलोत छोड़ने का मन नहीं करता है। जो सीएम बन जाता है उसे लगता है कि सीएम बनने योग्य तो वही है ।उससे अच्छा सीएम तो कोई हो नहीं सकता ।जो सीएम बन जाता है तो ज्यादातर विधायक भी उसके साथ खड़े रहते हैं क्योंकि सत्ता की मलाई तो सत्ताधारी के साथ रहने पर ही मिलती है। भूपेश बघेल व अशोक गहलोत की तरह सिध्दारमैया भी आलाकमान को यह संदेश देते रहे कि सारे विधायक मेरे साथ हैं, मुझे सीएम बनाए रखने में ही पार्टी को फायदा है,मुझे सीएम पद से हटाने पर पार्टी को नुकसान हो सकता है। सिध्दारमैया कुछ महीने ही ऐसा कर सके और आखिर में मई 28 को उनको सीएम पद से इस्तीफा देना पड़ा है।

सिध्दारमैया के इस्तीफा देने से शिवकुमार के सीएम बनने का रास्ता साफ हो गया है और कर्नाटक पहला ऐसा राज्य बन गया है जहां पांच साल में कांग्रेस के दो सीएम होंगे। एक सिध्दारमैया तीन साल सीएम रह चुके है और आने वाले दो साल शिवकुमार सीएम रहेंगे। ऐसा इसलिए हो सका है क्योंकि समझाने वाले ने आलाकमान को समझा दिया है कि अगर शिवकुमार को वादे के मुताबिक सीएम नहीं बनाया गया तो जिस तरह छत्तीसगढ़,राजस्थान में नुकसान हुआ उसी तरह कर्नाटक में भी नुकसान हो सकता है। आलाकमान को य बात समझ में आ गई कि पार्टी को फायदा इसमें नहीं है कि सिध्दारमैया सीएम बने रहे, पार्टी को फायदा इसमें है कि दो साल शिवकुमार सीएम बने रहें।

कांग्रेस के पास बड़े राज्य में सत्ता वैसे ही कम है। तेलंगाना व हिमाचल तो छोटे राज्य हैं,कर्नाटक बड़ा राज्य है और केरल में इस बार कांग्रेस गठबंधन चुनाव जीता है। आलाकमान चाहता है कि केरल के साथ ही कर्नाटक भी उसके पास ही रहना चाहिए। शिवकुमार को सीएम इसी मकसद से बनाया जा रहा है। उनसे उम्मीद की जा रही है कि उन्होंने पिछले चुनाव में जिस तरह कांग्रेस को जिताया था, अगली बार उसी तरह जिताकर दिखाएं। आलाकमान ने शिवकुमार से किया वादा पूरा कर दिया है. अब शिवकुमार के सामने यह चुनौती होगी कि वह अगले चुनाव में कांग्रेस को दोबारा जिताकर दिखाएं ।सिध्दारमैया ने इस्तीफा देते हुए यह कहा है कि उनसे आलाकमान ने इस्तीफा देने को कहा और उन्होंने दे दिया है। यानी वह आलाकमान के आज्ञाकारी हैं ।अब यदि शिवकुमार अगला चुनाव नहीं जिता पाते हैं तो सिध्दारमैया पर कोई आंच नहीं आएगी। वह कह देंगे हार की जिम्मेदारी तो सीएम की होती है और मैं सीएम नहीं हूं ।शिवकुमार कांग्रेस को जिताने में सफल रहते हैं तो कहेंगे कि इसका श्रेय उनके तीन साल के काम को जाता है। कहने वाले कह सकते हैं कि सिध्दारमैया भूपेश बघेल, अशोक गहलोत जैसे कुशल नेता नहीं थे इसलिए उनको पद से इस्तीफा देना पड़ा और शिवकुमार टीएस सिंहदेव, सचिन पायलट की तरह जोड़-तोड में कमजोर नेता नहीं थे इसलिए वह आलाकमान को समझा सके कि मेरा सीएम बनना ही आपके व पार्टी के लिए फायदेमंद रहेगा।

# पुस्तक चर्चा : संजय उवाच-वैचारिक पुर्नजागरण का जीवंत आख्यान

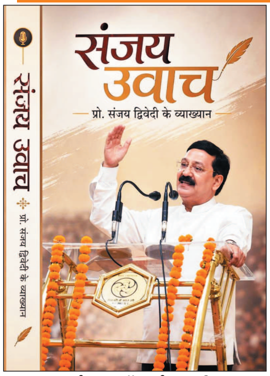


*समीक्षक :- डॉ. रजनीश अग्रहरि*

**पुस्तकः संजय उवाच ( प्रो.संजय द्विवेदी के व्याख्यान )**
**प्रकाशकः शिल्पायन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, 10295, लेन नंबर-1,वैस्ट गोरखपार्क, शाहदरा, दिल्ली-110032**
**मूल्यः495 ( पेपरबैक ), पृष्ठ-370**

समकालीन भारतीय बौद्धिक परिदृश्य में ऐसी पुस्तकें विरल हैं, जो एक साथ पत्रकारिता, संस्कृति, भाषा, शिक्षा, लोकतंत्र और भारतीय चिंतन की बहुआयामी यात्रा का विश्वसनीय दस्तावेज बन सकें। प्रो. संजय द्विवेदी का शिल्पायन से सद्यः प्रकाशित व्याख्यान संग्रह संजय उवाच केवल उनके व्याख्यानों का संकलन नहीं, अपितु भारतीय मन, मीडिया और समाज के अंतर्द्वंद्वों का वैचारिक मानचित्र है। 45 अध्यायों में विस्तृत यह कृति वतर्मान समय के बौद्धिक संकटों के बीच भारतीय दृष्टि की पुनर्स्थापना का सशक्त प्रयास करती है। पुस्तक के शीर्षक से ही स्पष्ट हो जाता है कि लेखक केवल वक्ता नहीं, बल्कि एक ऐसे चिंतक हैं जो संवाद को समाज परिवर्तन का माध्यम मानते हैं। पुस्तक की भूमिका में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह ने ठीक ही लिखा है कि-संजय उवाच को पढ़ना मानो विचारों की भारत यात्रा में शामिल होना है।

पुस्तक का सबसे बड़ा वैशिष्ट्य इसकासंवादधर्मी स्वरहै। लेखक उपदेशक की मुद्रा में नहीं, बल्कि एक सहयात्री चिंतक के रूप में पाठक से संवाद करता है। प्राक्कथनह्यमन की बात में उल्लिखित वाक शक्ति की अवधारणा पुस्तक की आत्मा है। प्रो. द्विवेदी संवाद को केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि सभ्यता की प्राणशक्ति मानते हैं। उनके अनुसार संवाद ही वह शक्ति है, जो समाज को विभाजन से विमर्श और अंधकार से बौद्धिक आलोक की ओर ले जाती है। यही कारण है कि पुस्तक का प्रथम अध्यायह्यसंवाद से बनेगी सुंदर दुनिया केवल प्रेरक लेख नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक सहअस्तित्व का सांस्कृतिक घोषणापत्र प्रतीत होता है।

मीडिया विमर्श पर लेखक की दृष्टि विशेष रूप से उल्लेखनीय है। ऐसे समय में जब पत्रकारिता बाजारवाद, तात्कालिकता और वैचारिक ध्रुवीकरण के दबावों से जूझ रही है, लेखक मीडिया को पुनः सरोकार से जोड़ने का आग्रह करता है। वे स्पष्ट करते हैं कि पत्रकारिता महज सूचना उद्योग नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना का नैतिक दायित्व है। जड़ों की ओर लौटे मीडिया जैसे अध्यायों में भारतीय लोकजीवन, मानवीय संवेदना और सामाजिक प्रतिबद्धता को मीडिया का मूल आधार बताया गया है। ओड़िया संत-कवि भीम भोई की करुणा-दृष्टि को उद्धत करते हुए लेखक मीडिया को जनकल्याण और राष्ट्र-निर्माण का माध्यम बनाने की प्रेरणा देता है।

इसी प्रकार पुस्तक का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पक्ष मीडिया शिक्षा और डिजिटल युग पर उसका गंभीर चिंतन है। प्रो. द्विवेदी भारतीय मीडिया शिक्षा के औपनिवेशिक ढाँचे पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं। वे पूछते हैं कि भारतीय मीडिया संस्थानों में भारतीय संदर्भ, भारतीय भाषाएँ और भारतीय अनुभव अभी भी हाशिए पर क्यों हैं। यह प्रश्न केवल शिक्षा का नहीं, बल्कि बौद्धिक आत्मनिर्भरता का प्रश्न है। लेखक नवाचार, री-स्किलिंग और मीडिया साक्षरता को डिजिटल युग की अनिवार्य शर्त मानते हैं। फेक न्यूज और सूचना-अराजकता के इस दौर में उनका यह आग्रह अत्यंत प्रासंगिक प्रतीत होता है कि मीडिया साक्षरता को सामाजिक आंदोलन का रूप दिया जाना चाहिए।

समकालीन भाषायी विमर्श के सन्दर्भ में लेखक की दृष्टि विशेष रूप से संवेदनशील और भारतीयता से अनुप्राणित है साथ ही भाषा और सांस्कृतिक अस्मिता पर वह अंग्रेजी के वर्चस्व को भारतीय भाषायी संवाद के लिए एक गंभीर चुनौती मानते हैं साथ ही हिंदी को भारतीय एकता की स्वाभाविक सेतु-भाषा के रूप में स्थापित करते हैं। किंतु उनका हिंदी-विमर्श किसी भाषाई वर्चस्व का आग्रह नहीं, बल्कि भारतीय भाषाओं के सामूहिक सम्मान का पक्षधर है। भाषा है सिनेमा की शक्ति अध्याय में हिंदी सिनेमा की वैश्विक स्वीकायर्ता को भारतीय सांस्कृतिक प्रभाव और सॉफ्ट पावर के रूप में देखा गया है। राज कपूर से लेकर लोकभाषाओं तक लेखक ने भाषा को केवल संप्रेषण नहीं, बल्कि सांस्कृतिक स्मृति और राष्ट्रीय अस्मिता का वाहक माना है।

पुस्तक का वैचारिक विस्तार इसे और अधिक महत्त्वपूर्ण बनाता है। डॉ. भीमराव अंबेडकर, नेताजी सुभाषचंद्र बोस, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और तुलसीदास जैसे व्यक्तित्वों पर लेखक का चिंतन भारतीय समाज के विविध आयामों को समेटता है। सबके हैं - सबमें हैं तुलसी के राम तथा मुसलमान, हिंदू और हिन्दुस्तानियत जैसे अध्याय सामाजिक समरसता और साझा सांस्कृतिक विरासत के प्रश्नों को अत्यंत संतुलित और मानवीय दृष्टि से प्रस्तुत करते हैं। लेखक भारत को मात्र राजनीतिक राष्ट्र-राज्य नहीं, बल्कि करुणा, सहअस्तित्व और सांस्कृतिक निरंतरता से निर्मित एक जीवंत सभ्यता के रूप में देखते हैं।

नई शिक्षा नीति, सुशासन और आत्मनिर्भर भारत पर पुस्तक के विचार भी अत्यंत सार्थक हैं। लेखक गवनर्मेंट से आगे बढ़कर गवर्नेंस की अवधारणा को जनसंवाद और लोकभागीदारी से जोड़ते हैं। शिक्षा के संदर्भ में वे रटंत व्यवस्था से मुक्त होकर तार्किकता, सृजनात्मकता और भारतीय ज्ञान परंपरा आधारित शिक्षा की आवश्यकता पर बल देते हैं। उनका विश्वास है कि भारत का भविष्य केवल तकनीकी दक्षता में नहीं, बल्कि सांस्कृतिक आत्मविश्वास और बौद्धिक स्वाधीनता में निहित है।

शैली की दृष्टि से भीह्यसंजय उवाचह्नउल्लेखनीय कृति है। प्रो. संजय द्विवेदी की भाषा सहज, प्रवाहपूर्ण और वैचारिक गरिमा से संपन्न है। उनकी लेखनी में पत्रकार की तथ्यपरकता, शिक्षक की स्पष्टता और चिंतक की गहराई एक साथ उपस्थित दिखाई देती है। कहीं भी अनावश्यक बौद्धिक जटिलता नहीं है, फिर भी विचारों की गंभीरता पाठक को लगातार आत्ममंथन के लिए प्रेरित करती है। उनकी भाषा में भारतीय संवेदना का वह आलोक है, जो वैदिक चेतना और आधुनिक विवेक के सुंदर समन्वय के रूप में उभरता है।

समग्रतः, संजय उवाच हमारे समय के वैचारिक और सांस्कृतिक संकटों के बीच भारतीय दृष्टि की पुनर्प्रतिष्ठा का महत्वपूर्ण दस्तावेज है। यह पुस्तक केवल मीडिया या संचार के विद्यार्थियों के लिए ही नहीं, बल्कि हर उस गंभीर पाठक के लिए आवश्यक है जो भारत, भारतीयता, लोकतंत्र, भाषा और सांस्कृतिक चेतना के अंतर्संबंधों को गहराई से समझना चाहता है। यह कृति अंततः हमें यही स्मरण कराती है कि सभ्यता का वास्तविक आधार शक्ति नहीं, बल्कि संवाद है; और संवाद तभी सार्थक होता है, जब उसमें सत्य, संवेदना और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का भाव उपस्थित हो।

**( समीक्षक हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर में उपाचार्य हैं। )**

# जरूरी सत्ता परिवर्तन : सिद्धारमैया के इस्तीफे से एक नए दौर की शुरुआत

**कभी भाजपा के गढ़ रहे कर्नाटक में कांग्रेस की सत्ता वापसी में डी.के. शिवकुमार की बड़ी भूमिका मानी जाती रही है। जिस ऊर्जा व तेवरों से, उन्होंने पिछला विधानसभा चुनाव कांग्रेस सगंठन व कार्यकर्ताओं को एकजुट करके लड़ाया, उससे उम्मीद थी सरकार बनने के बाद उनकी ही ताजपोशी होगी। वे न केवल संगठन के सूत्रधार ही थे, बल्कि उन्होंने केंद्रीय एजेंसियों का त्रास भी झेला था। बहरहाल, कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद से सिद्धारमैया के इस्तीफे ने अब तक उप मुख्यमंत्री की भूमिका निभाते रहे डीके शिवकुमार की पदोन्नति का मार्ग प्रशस्त किया है।**

देर से ही सही कांग्रेस हाईकमान ने उस चूक को दुरुस्त किया है, जिसके चलते कई राज्यों में नेतृत्व चयन की गफलत की बड़ी राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ी थी। बहरहाल, 77 वर्षीय सिद्धारमैया की सरकार ने पिछले ही सप्ताह अपने कायर्काल के तीन वर्ष पूरे किए थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हाईकमान के निर्देश पर उन्होंने मुख्यमंत्री पद छोड़ा है। हालांकि, राज्यभर में उनके समथर्कों द्वारा किए जा रहे विरोध प्रदर्शन संकेत देते हैं कि इस नेतृत्व परिवर्तन को एक सामान्य बदलाव के रूप में नहीं देखा जा सकता। कयास लगाए जा रहे हैं कि मौजूदा बदलाव मई 2023 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की जीत के बाद सत्ता साझाकरण की बारी-बारी से व्यवस्था की अटकलों को बल देता प्रतीत होता है।

हालांकि, कांग्रेस पार्टी इस बात से इनकार करती है लेकिन ऐसा लगता है कि सत्ता के बंटवारे के इस समझौते ने कर्नाटक में पार्टी की आंतरिक गतिविधियों को प्रभावित किया है। इस बदलाव के लिये लंबे समय तक प्रतीक्षारत रहे डी.के. शिवकुमार अब इस प्रतिष्ठित पद के लिये और इंतजार करते नहीं दिखायी दे रहे थे। जाहिरा तौर पर पहले की तरह वर्ष 2028 के चुनावी संग्राम के लिये पार्टी को तैयार करने की जिम्मेदारी भी उन्हीं की होगी। उन्हें अगले दो वर्षों में राज्य में सुशासन को प्राथमिकता देनी होगी। इस बात को कुछ देर से ही सही, पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने महसूस तो किया है।

राजनीतिक पंडित मान रहे हैं कि कांग्रेस नेतृत्व को देर-सवेर अहसास होने लगा था कि जिस कर्नाटक को भाजपा दक्षिण का द्वार बताकर विगत में वर्चस्व बना चुकी है, वहां पार्टी को नेतृत्व-द्वंद्व का नुकसान हो सकता था। जिसकी पूर्ति तेज-तर्रार डी.के. शिवकुमार जैसे नेतृत्व से ही संभव हो सकती है। निविर्वाद रूप से वे अपेक्षाकृत कम उम्र के जुझारू राजनेता के रूप में पहचान रखते हैं। उन्हें कुशल चुनावी रणनीतिकार के रूप में जाना जाता रहा है।

बहरहाल, अब कांग्रेस पार्टी के सामने सबसे बड़ी चुनौती राज्य में पिछड़े वर्गों, अल्पसंख्यकों और दलितों का समर्थन बरकरार रखना है। माना जाता है कि इन वर्गों में सिद्धारमैया की खासी मजबूत पकड़ रही है। वहीं दूसरी ओर निवर्तमान मुख्यमंत्री द्वारा केंद्र की राजनीति में भूमिका को स्वीकार करने के लिये दिए गए प्रस्ताव पर अनिच्छा जताने ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। बहरहाल, इसी तरह के अनिर्णय व असमंजस की स्थिति का नुकसान विगत में कांग्रेस कई राज्यों में उठा चुकी है। गौरतलब है कि कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को 2018-23 तक पद पर बनाये रखा, जबकि उनके सहयोगी और प्रतिद्वंद्वी टीएस सिंह देव लगातार उन पर दबाव डाल रहे थे।

पंजाब में, पार्टी ने साल 2022 के विधानसभा चुनावों से ठीक पांच महीने पहले कैप्टन अमरिंदर को मुख्यमंत्री पद से हटा दिया था। सत्ता विरोधी लहर का मुकाबला करने के उद्देश्य से उठाया गया यह कठोर कदम कांग्रेस को बड़ा झटका दे गया था। कर्नाटक कांग्रेस के लिये दक्षिणी राज्यों में पकड़ बनाने की नीतियों की वजह से एक महत्वपूर्ण राज्य है। विगत में राज्य में भाजपा की पकड़ मजबूत रही है। यहां पार्टी का मजबूत संगठन मौजूद भी है। बहरहाल, कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनका यह दांव शिवकुमार और सिद्धारमैया के नेतृत्व वाले गुटों के बीच मतभेद को बढ़ाने वाला साबित न हो। बल्कि मिल-जुलकर पार्टी संगठन को मजबूती देने के प्रयास हों।

# असम यूसीसी बहस : क्या राज्य लिव-इन रिलेशनशिप पर बैन लगा सकता है ?

*देबांजन बोरठाकुर*

**सवाल सिर्फ.यह नहीं है कि क्या कोई राज्य सरकार लिव-इन रिलेशनशिप पर बैन लगा सकती है। गहरा सवाल यह है : मॉडर्न सरकार बार-बार सहमति से रहने वाले बड़ों के बेडरूम में घुसने के लिए क्यों ललचाती है? भारत में, यह सवाल फिर से जरूरी हो गया है जब ऐसी खबरें आईं कि असम का प्रस्तावित यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल शादी, तलाक़, उत्तराधिकार और लिव-इन रिलेशनशिप को कवर करेगा। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा है कि बिल 26 मई को असम असेंबली में पेश किया जाएगा, जबकि अनुसूचित जनजातियों को कथित तौर पर इसके दायरे से बाहर रखा गया है।**

सहमति से रहने वाले बड़ों के बीच लिव-इन रिलेशनशिप पर पूरी तरह बैन लगाने से लगभग निश्चित रूप से एक गंभीर संवैधानिक चुनौती का सामना करना पड़ेगा। भारत के सुप्रीम कोर्ट ने आर्टिकल 21, यानी जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार के तहत अंतरंग रिश्तों में बड़ों की पसंद की बार-बार रक्षा की है। एस. खुशबू बनाम कन्नियाम्मल (2010) में, कोर्ट ने शादी से पहले सेक्स की सार्वजनिक वकालत को अपराध मानने से इनकार कर दिया और कहा कि सामाजिक नापसंदगी अपने आप में क्रिमिनल लॉ का आधार नहीं बन सकती। इंद्र सरमा बनाम वी.के.वी. सरमा (2013) में, कोर्ट ने यह भी माना कि कुछ लिव-इन रिलेशनशिप, घरेलू हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा एक्ट, 2005 के सुरक्षा फ्रेमवर्क में आ सकते हैं।

राज्य साथ रहने के कुछ पहलुओं को रेगुलेट कर सकता हैः उम्र, सहमति, धोखाधड़ी, घरेलू हिंसा, मेंटेनेंस, महिलाओं की सुरक्षा और बच्चों के अधिकार। लेकिन रेगुलेशन रोक नहीं है। एक राज्य रजिस्ट्रेशन लागू कर सकता है, सुरक्षा उपाय बना सकता है, जबरदस्ती करने पर सजा दे सकता है और शोषण को रोक सकता है। हालाँकि, वह सिर्फ.यह घोषित नहीं कर सकता और न ही करना चाहिए कि दो काबिल वयस्कों को तब तक साथ रहने की इजाजत नहीं है जब तक वे शादी न कर लें। ऐसा नियम राज्य की भूमिका को एक रक्षक से नैतिक देखरेख करने वाले में बदल देगा।

इतिहास बताता है कि जब राज्य निजी नजदीकियों को रेगुलेट करता है, तो उसका लक्ष्य अक्सर नैतिकता के बजाय राजनीतिक कंट्रोल होता है। यह पैटर्न दुनिया भर में दिखता हैः नस्लीय ऊँच-नीच को लागू करने वाले कानूनों से, जैसे कि वर में एंटी-मिसजेनेशन कानून और दक्षिण अफ्रीका में अनैतिकता एक्ट, से लेकर आधुनिक धार्मिक और नैतिक पुलिसिंग तक, जैसे कि इंडोनेशिया और ईरान में शरिया कानून के तहत साथ रहने पर रोक। वङ के पिछले कानूनों, भारत के सेक्शन 377 और युगांडा के कानूनों में LGBTQ+ पहचान का क्रिमिनलाइजेशन देखा गया है, यह दिखाता है कि बेडरूम पर पुलिसिंग एक ऐसा टूल है जिसका इस्तेमाल सरकारें सोशल नॉर्म्स लागू करने के लिए करती हैं।

पूरे समाज में, कंजर्वेटिव लोग अक्सर फैमिली ऑर्डर, सेक्सुअल कंट्रोल, धार्मिक परंपरा और शरीर की पवित्रता पर ज़्यादा जोर देते हैं। जोनाथन हैड्ट की मोरल फाउंडेशन थ्योरी इसे समझाने में मदद करती हैः कंजर्वेटिव लोग अथॉरिटी, लॉयल्टी और पवित्रता पर ज़्यादा मोरल जोर देते हैं, जबकि लिबरल लोग नुकसान, फेयरनेस और लिबर्टी पर ज़्यादा जोर देते हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि सभी कंजर्वेटिव अथॉरिटेरियन हैं या सभी लिबरल मोरली प्रोग्रेसिव हैं। इसका मतलब है कि मोरल कॉन्फ्लिक्ट अक्सर तब होता है जब लोग अलग-अलग मोरल कम्पास का इस्तेमाल करते हैं। एक तरफ, लिव-इन रिलेशनशिप आजादी और एडल्ट ऑटोनॉमी की निशानी हैं। दूसरी तरफ, वे डिसऑर्डर, इम्प्योरिटी, फैमिली ब्रेकडाउन या वेस्टर्नाइजेशन की निशानी हो सकते हैं। लेकिन जब नफरत की मोरल भावना कानून बन जाती है, तो लिबर्टी सिकुड़ जाती है।

कई तानाशाही आंदोलन चुनावों पर रोक लगाकर नहीं, बल्कि करीबी रिश्ते, बोलचाल, कपड़े, खाना, सेक्सुअलिटी और मेलजोल को रेगुलेट करके शुरू होते हैं। महिलाओं की पसंद, अलग-अलग धर्मों के रिश्ते, क्वीर पहचान और शादी के बाद करीबी कल्चरल कंट्रोल की निशानी हो सकती है। फ्लोरिडा का तथाकथित डोंट से गे कानून, जिस पर 2022 में साइन किया गया था, उसने छोटी क्लास में सेक्सुअल ओरिएंटेशन और जेंडर पहचान पर क्लासरूम में पढ़ाई पर रोक लगा दी और बाद में यह केस और सेटलमेंट का विषय बन गया। असम में, सवाल यह है कि क्या चिंता सच में कमजोर पार्टनर की सुरक्षा के बारे में है, या यह मोरल पुलिसिंग के बारे में है। अगर चिंता सुरक्षा की है, तो राज्य को घरेलू हिंसा के इलाज, महिलाओं के शेल्टर, कानूनी मदद, सेक्सुअल हेल्थ एजुकेशन, पुलिस की जवाबदेही और आर्थिक आजादी को मजबूत करना चाहिए। सेक्सुअलिटी पर बहस इमोशनली पावरफुल, मीडिया-फ्रेंडली और पोलराइजिंग होती है।

वे मुश्किल सवालों से ध्यान हटा सकती हैंः बेरोजगारी, हेल्थकेयर, शिक्षा, भ्रष्टाचार, इंफ्रास्ट्रक्चर, जेंडर हिंसा और इंस्टीट्यूशनल नाकामी। जब सरकार महिलाओं की रक्षा करने का दावा करती है, जबकि पूरे भारत में कई चुने हुए प्रतिनिधियों पर क्रिमिनल चार्ज लगे हैं, जिनमें कुछ मामलों में गंभीर चार्ज भी शामिल हैं, तो नैतिक आधार कमजोर हो जाता है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने बताया कि 2024 में नए चुने गए लोकसभा टढर में से 46% ने अपने खिलाफ क्रिमिनल केस घोषित किए थे। समाज को सावधान रहना चाहिए जब अनसुलझे नैतिक कमियों वाले पॉलिटिकल क्लास खुद को निजी नैतिकता का गार्डियन बना लेते हैं। फिलॉसफी के हिसाब से, यह मुद्दा कम्युनिटी और आजादी के बीच सबसे पुराने झगड़े को छूता है।

शादी एक कीमती इंस्टीट्यूशन है। बहुत से लोग इसे अपनी मर्जी से चुनते हैं, और यह चुनाव सम्मान का हकदार है। लेकिन आजादी में शादी न करने का अधिकार भी शामिल है। जीन-पॉल सार्त्र और सिमोन डी बोउवोइर ने मशहूर तौर पर पारंपरिक शादी को खारिज कर दिया था, इसे एक ऐसे स्ट्रक्चर के तौर पर देखते हुए भारतीय सभ्यता भी कभी उतनी यौन रूप से शुद्धतावादी नहीं रही, जितना आधुनिक नैतिकतावादी कभी-कभी दिखावा करते हैं। मार्था नुसबाम ने तर्क दिया है कि हिंदू परंपराओं ने ऐतिहासिक रूप से धर्म, अर्थ और काम की तिकड़ीः नैतिकता, सांसारिक व्यवस्था और आनंद के माध्यम से कामुकता को एक मान्यता प्राप्त स्थान दिया है। वह लिखती हैं कि प्रमुख धर्मों में से हिंदू धर्म ने अक्सर शरीर और उसके सुखों को एक केंद्रीय और सकारात्मक स्थान दिया है।

ऐसा लगता है कि "भारतीय संस्कृति" के कुछ आधुनिक रक्षक भारत की बहुलतावादी और बनावटी परंपराओं की तुलना में विक्टोरियन शारीरिक शर्म से अधिक उधार लेते हैं। आजादी का मतलब अराजकता नहीं है। कानून को स्पष्ट रूप से नाबालिगों की रक्षा करनी चाहिए। इसे जबरदस्ती, धोखा, तस्करी, घरेलू हिंसा, शोषण के बाद परित्याग और वित्तीय दुरुपयोग को दंडित करना चाहिए। इसे यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ऐसे संबंधों से पैदा हुए बच्चों को कलंकित न किया जाए। इसे असमान अनौपचारिक विवाहों में फंसी महिलाओं के लिए कानूनी उपाय प्रदान करने चाहिए। लेकिन एक बार जब लोग वयस्क हो जाते हैं और सहमति देते हैं, तो राज्य को अंतरंगता की कीमत के रूप में शादी के लिए मजबूर नहीं करना चाहिए।

यह रिश्तों को अंडरग्राउंड कर देगा, जिससे जल्दबाजी में शादियां होंगी, जबरदस्ती होगी, पुलिस परेशान करेगी और महिलाओं के लिए कमजोरी बढ़ेगी। यह शादी से पहले सेक्स से जुड़े कलंक को और बढ़ा सकता है, जिससे गर्भनिरोधक और कानूनी मदद मिलना मुश्किल हो जाएगा। जो समाज सेक्स को गंदा मानते हैं, वे अक्सर दोगले, असुरक्षित और दबे हुए हो जाते हैं। मुख्य नैतिक मुद्दा शादी से पहले सेक्स नहीं है, बल्कि यह है कि क्या लोग एक-दूसरे के साथ ईमानदारी, सहमति, सम्मान और देखभाल से पेश आते हैं।

शादी प्यार को पवित्र बना सकती है, लेकिन यह अच्छे गुणों की गारंटी नहीं देती है, और कानून को यह मानना चाहिए। असम को, बाकी भारत की तरह, फैमिली लॉ पर चर्चा करने का पूरा अधिकार है। लेकिन डेमोक्रेसी निजी ज़िंदगी पर ज़्यादातर लोगों की निगरानी नहीं है। संविधान नापसंद पसंद की रक्षा करता है क्योंकि लोकप्रिय पसंद को सुरक्षा की जरूरत नहीं होती है। अगर दो बड़े लोग साथ रहना चुनते हैं, तो समाज उन्हें मंजूर कर सकता है, नामंजूर कर सकता है, आशीर्वाद दे सकता है, उनके बारे में गपशप कर सकता है या उन्हें नजरअंदाज कर सकता है। लेकिन राज्य को उन्हें अपराधी नहीं बनाना चाहिए। राज्य का काम जबरदस्ती अच्छा बनाना नहीं है। यह सम्मान की रक्षा करना, नुकसान को रोकना और इंसानों को अपने अधूरे रास्ते चुनने की गुंजाइश देना है।

# करार के अंदर करार

**क्रिटिकल मिनरल्स के बारे में हुए समझौतों की सफलता ऐसे वित्त की व्यवस्था पर निर्भर है, जो शीघ्र मुनाफे के लिए बेचैन ना हो। साथ ही प्रतिभा एवं कौशल जुटाए जा सके, तो बेशक चीन पर निर्भरता से मुक्ति मिल सकेगी।**

क्वॉड के विदेश मंत्रियों की बैठक का लगभग पूरा ध्यान आधुनिक उद्योगों के लिए महत्त्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति श्रृंखला तैयार करने पर केंद्रित रहा। भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्रियों ने क्रिटिकल मिनरल्स की सुरक्षित आपूर्ति श्रृंखला बनाने के लिए सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रों से 20 बिलियन डॉलर जुटाने का इरादा जताया। इसके अतिरिक्त भारत और अमेरिका के विदेश मंत्रियों ने इसी मकसद से एक अलग करार के फ्रेमवर्क पर दस्तखत किए। इसके तहत क्रिटिकल मिनरल्स के खनन, प्रोसेसिंग, और रिसाइक्लिंग की आपूर्ति श्रृंखलाएं बनाने के लिए दोनों देश सहयोग करेंगे।

छह महीने पहले 'आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस युग के लिए सुरक्षित एवं विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला' बनाने के लिए अमेरिका के नेतृत्व में पैक्स सिलिका नाम की पहल शुरू की गई थी। इसका मकसद भी क्रिटिकल मिनरल्स और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में सहयोग कायम करना था। इन बातों से साफ है कि खासकर अमेरिका की निगाह में रेयर अर्थ सहित तमाम महत्त्वपूर्ण खनिज आज कितने अहम हैं। खास बात यह है कि इन खनिजों की दुनिया में कोई कमी नहीं है। लेकिन इनकी प्रोसेसिंग और उनसे उपयोग योग्य उत्पाद बनाने की लगभग 90 फीसदी क्षमता सिर्फ चीन के पास है। नतीजतन, चीन तमाम देशों की सामरिक एवं रणनीतिक मंशाओं पर लगाम लगाने में सक्षम बना हुआ है। अतः अमेरिका ने अब अपने नेतृत्व में वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखला तैयार करने में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है।

मगर इन खनिजों से उपयोग लायक उत्पाद बनाना जटिल, महंगी और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली प्रक्रिया है। इसकी क्षमता हासिल करने में भी वक्त लगेगा। अमेरिका की वित्तीयकृत अर्थव्यवस्था में ऐसी परियोजनाएं लगाना कठिन हो गया है, जिनके बारे में समझा जाता हो कि उनमें "हाथ गंदे" होते हैं। इसलिए वह करार-दर करार कर रहा है। बहरहाल, ऐसे प्रोजेक्ट्स में मुनाफा होने के पहले लंबा इंतजार भी करना होता है। इसलिए ऐसे तमाम समझौतों की सफलता ऐसे वित्त की व्यवस्था पर निर्भर है, जो शीघ्र मुनाफे के लिए उतावला ना हो। साथ ही प्रतिभा एवं कौशल को तराशने की चुनौती है। ये सब जुटाए जा सके, तो निसंदेह दुनिया चीन पर निर्भरता से मुक्त हो सकेगी।

# हाई बीपी की है शिकायत तो नाश्ते में भूल से भी ना खाएं ये चीजें

**अगर आपको हाई बीपी की शिकायत है तो ऐसे में आपको अपने खान-पान का जरूर ध्यान रखना चाहिए। ऐसे कई फूड्स हैं, जिन्हें हाई बीपी के मरीजों को नाश्ते में खाने से बचना चाहिए।**

नाश्ता दिन का पहला मील होता है और इसलिए इसका सीधा प्रभाव आपकी सेहत पर पड़ता है। यही कारण है कि आपको अपने नाश्ते का खास ख्याल रखना चाहिए। अमूमन जब आप नाश्ता बनाते हैं तो आपको अपनी हेल्थ कंडीशन पर फोकस करना चाहिए। मसलन, अगर आपको हाई बीपी है तो आपको नाश्ते में कुछ फूड आइटम्स को अवॉयड करना चाहिए। आहार आपके बीपी पर बहुत प्रभाव डाल सकता है। अगर आप सोच-समझकर अपना नाश्ता नहीं बनाते हैं तो इससे आपका ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है और आपको परेशान कर सकता है। हाइपरटेंशन समय के साथ कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं जैसे हृदय रोग और स्ट्रोक का कारण बन सकता है। इसलिए, आपको अपने खान-पान को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरतनी चाहिए।

## हाई सोडियम सेरल्स

अधिकतर लोग नाश्ते में सेरल्स खाना काफी पसंद करते हैं। हालांकि, अगर आपको बीपी की शिकायत है तो आपको नाश्ते में हाई सोडियम सेरल्स खाने से बचना चाहिए। आजकल मार्केट में रेडी-टू-ईट सेरल्स मिलते हैं। इनमें अक्सर अतिरिक्त नमक या फ्लेवरिंग को मिक्स किया जाता है। सोडियम की अधिकता की वजह से इन सेरल्स का सेवन बीपी के मरीजों के लिए अच्छा नहीं माना जाता है। इसलिए, अगर आपको सेरल्स खाना अच्छा लगता है तो ऐसे में आप कम सोडियम या अनस्वीटन सेरल्स का चयन करें।

## फाइड फूड्स

हाई बीपी के मरीजों को नाश्ते में डीप फाइड आइटम्स का सेवन करने से भी बचना चाहिए। फाइड फूड्स में अनहेल्दी फैट्स कंटेंट काफी अधिक होता है, इसलिए जब आप इसका सेवन करते हैं तो इससे आपका वजन बढ़ता है। अधिक वजन ब्लड प्रेशर की शिकायत को बढ़ा सकता है।

## व्हाइट ब्रेड और पेस्ट्री

हाई बीपी के मरीजों के लिए रिफाइंड आटे से बनी आइटम्स जैसे व्हाइट ब्रेड, पेस्ट्री और अन्य बेक्ड सामान का सेवन करने से बचना चाहिए। इस तरह की फूड आइटम्स ब्लड शुगर लेवल में स्पाइक का कारण बन सकते हैं। इतना ही नहीं, इससे आपका वजन भी बढ़ सकता है। जिससे भी आपके ब्लड प्रेशर की समस्या बद से बदतर हो सकती है।

## हाई फैट डेयरी प्रोडक्ट्स

नाश्ते में डेयरी प्रोडक्ट्स का सेवन करना बेहद आम है। अमूमन लोग नाश्ते में दूध व दही आदि का सेवन करते हैं। लेकिन अगर आपको बीपी की समस्या है तो ऐसे में आपको हाई फैट डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे फुल फैट मिल्क, फुल फैट चीज आदि से बचना चाहिए। इन तरह के प्रोडक्ट्स में सैचुरेटिड फैट अधिक पाया जाता है। इसलिए, इनके सेवन से ब्लड कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ सकता है और ऐसे में आपको हाई बीपी की शिकायत हो सकती है। अगर आप डेयरी प्रोडक्ट्स का सेवन करना चाहते हैं तो ऐसे में आप हाई फैट डेयरी प्रोडक्ट्स की जगह स्किम्ड मिल्क आदि का सेवन करना चाहिए।

# क्या सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है व्हाइट सॉस पास्ता? क्या कहता है आयुर्वेद

**आजकल खान-पान में कई बदलाव होने लगे हैं। इंडियन कुजीन के साथ और भी कई तरह की कुजीन हमारी डाइट का हिस्सा बन चुकी हैं। पिज्जा, पास्ता और मोमो समेत कई चीजें आजकल लोगों को और खासकर बच्चों को बेहद पसंद आ रही हैं। व्हाइट सॉस पास्ता भी आजकल लोगों की फेवरेट डिश में से एक बन चुका है। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि खाने-पीने की कई ऐसी चीजें हैं, जिन्हें हम रोजमर्रा की जिंदगी में शौक से खाते तो हैं लेकिन असल में ये सेहत के लिए नुकसानदेह है।**

आयुर्वेद में खान-पान के तरीके और समय पर काफी जोर दिया जाता है। आज के समय में खान-पान की जिन चीजों का चलन बढ़ गया है, उनमें से कई ऐसी चीजें भी हैं, जिन्हें आयुर्वेद में सेहत के लिए नुकसानदेह बताया गया है। व्हाइट सॉस पास्ता इन्हीं में से एक है। यह क्यों आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है और किस तरह आप इसे हेल्दी तरीके से खा सकती हैं, इस बारे में एक्सपर्ट से जानते हैं।

एक्सपर्ट का कहना है कि आजकल लोग जब भी बाहर जाते हैं, तो अक्सर व्हाइट सॉस पास्त ऑर्डर करते हैं। घरों में भी इसे बनाने का चलन बढ़ गया है। लेकिन, आयुर्वेद के अनुसार, यह एक धीमा जहर है, जो आपके शरीर को नुकसान पहुंचा रहा है।

- आयुर्वेद का कहना है कि शरीर में टॉक्सिन्स जमा होना और स्किन से जुड़े डिसऑर्डर के पीछे सबसे बड़ी वजह विरुध्द आहार होता है। विरुध्द आहार यानी खाने की दो ऐसी चीजों को एक साथ मिलाकर खाना, जो प्रकृति में एक-दूसरे के विपरीत हैं और सेहत पर बुरा असर डाल सकती हैं।
- जब आप व्हाइट सॉस बनाते हैं, तो इसमें दूध के साथ नमक मिलाते हैं, ये दोनों चीजें एक साथ लेना आयुर्वेद में सही नहीं बताया गया है।
- अगर आप लंबे समय तक इस कॉम्बिनेशन को खाते हैं, तो शरीर में टॉक्सिन्स जमा होने लगते हैं, स्किन से जुड़ी दिक्कतें हो जाती हैं और अर्थराइटिस भी हो सकती है।
- अगर आप इसे खाना चाहते हैं, तो व्हाइट सॉस बनाते समय रेगुलर मिल्क की जगह प्लांट बेस्ड मिल्क जैसे ओट मिल्क, कोकोनेट मिल्क और सोय मिल्क का इस्तेमाल करें। इससे सेहत को नुकसान नहीं होगा।

# शरीर के साथ-साथ दिमाग और मन को भी हेल्दी रखने में मदद करता है योगासन

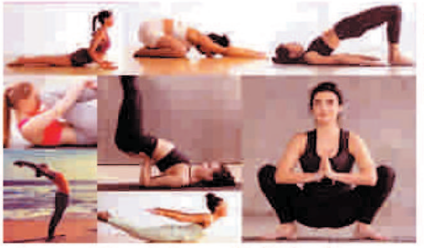

**योगासन करने से पहले और बाद में कुछ बातों का ख्याल रखने की जरूरत होती है, जिससे फिट रहने में मदद मिल सकती है। आइए, यहां एक्सपर्ट से जानते हैं कि फिट रहने के लिए योगासन करने से पहले और बाद में किन बातों का ख्याल रखना चाहिए।**

योगासन का महत्व सिर्फ भारत ही नहीं, पूरे दुनिया समझ रही है। योगासन हमारे शरीर के साथ-साथ दिमाग और मन को भी हेल्दी रखने में मदद करता है। योगासन करने के अनेक फायदे हैं, लेकिन क्या आप जानती हैं योग करने से पहले और बाद में कुछ बातों का खास ख्याल रखने की जरूरत होती है। रोजाना योगासन करने से पहले और बाद में किन बातों का ख्याल रखना चाहिए। हिमालयन सिद्धा अक्षर, अक्शर योग केंद्र के फाउंडर हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक, योगासन करने से पहले और बाद में वार्म अप, कूल डाउन और न्यूट्रिशन जैसी चीजों का ख्याल रखना चाहिए।

## योगासन से पहले किन बातों का रखें ध्यान?

एक्सपर्ट के मुताबिक, योगासन करने से पहले ठीक तरह से वार्म अप करना जरूरी माना जाता है। इस दौरान हल्के मूवमेंट करने चाहिए, जिससे ब्लड फ्लो और फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ती है।

### लाइट कार्डियो

योगासन करने से पहले 5-10 मिनट सैर करना, जगह पर ही खड़े रहकर जॉगिंग और जंपिग जैक्स करने की सलाह दी जाती है। क्योंकि यह हार्ट रेट को बढ़ाते हैं।

### ज्वाइंट मूवमेंट

योगासन से पहले अपने हाथ, पैर, गर्दन और कंधों के ज्वाइंट्स को मूव करने की सलाह दी जाती है।

### कैट-काउ स्ट्रेच

एक्सपर्ट के मुताबिक, पीठ की मूवमेंट के लिए पहले आर्च और राउंड बनाने की सलाह दी जाती है।

### सूर्य नमस्कार

पूरे शरीर के वार्म अप के लिए पहले सूर्य नमस्कार के 2-3 राउंड करना फायदेमंद हो सकता है। सूर्य नमस्कार के अनेक फायदे होते हैं।

## योगासन करने से पहले क्या खाना चाहिए?

एक्सपर्ट के मुताबिक, योगासन करने से पहले पोषण से भरपूर भोजन की सलाह दी जाती है, जिससे एनर्जी लेवल बना रहे और किसी तरह की परेशानी का सामना ना करना पड़े। योगासन से 2-3 घंटे पहले लाइट डाइट या 30 से 60 मिनट पहले कम मात्रा में स्नेक्स लेने चाहिए। रोजाना योगाभ्यास करने वालों को पूरे दिन हाइड्रेट रहने की सलाह दी जाती है। लेकिन योगासन करने से तुरंत पहले ज्यादा मात्रा में पानी का सेवन करने से बचना चाहिए।

## योगासन के बाद क्या खाना है फायदेमंद?

- योगासन से पहले मुट्ठीभर नट्स और एक केला खाना फायदेमंद हो सकता है।
- एल्मन्ड बटर के साथ सेब को काटकर भी खाया जा सकता है।
- बेरिज के साथ ग्रीक योगर्ट का सेवन करना भी फायदेमंद हो सकता है।
- योगासन करने के 30-60 मिनट में खाना खा लेना चाहिए, इससे शरीर को रिकवर करने में आसानी होती है।
- योगासन के बाद शरीर को हाइड्रेट करना जरूरी हो जाता है, क्योंकि इस दौरान खूब सारे फ्लूयड्स शरीर से निकल जाते हैं। योगासन के बाद नारियल पानी का सेवन करना फायदेमंद माना गया है।
- योगासन करने के बाद प्रोटीन पाउडर, फल और पत्तेदार सब्जियों की स्मूदी का सेवन कर सकते हैं। नट्स के साथ ओटमील, सीड्स और फ्रेश फरूट्स का सेवन करना भी फायदेमंद हो सकता है।

## योगासन से पहले क्या ना खाएं?

योगासन से पहले भारी और ज्यादा तला-भुना खाने से बचना चाहिए। योगासन से पहले मसालेदार खाने का सेवन नहीं करने की सलाह दी गई है। भारी मात्रा में भी कैफीन का सेवन करने से बचना चाहिए।

## योगासन के बाद किन बातों का रखें ध्यान?

योगासन के बाद कूल डाउन होने की जरूरत होती है, इससे फिट रहने में मदद मिलती है।

### शवासन

एक्सपर्ट के मुताबिक, योगासन के बाद 5 से 10 मिनट शवासन करना चाहिए, इससे आपके शरीर को आराम तो मिलेगा।

### आसान स्ट्रेचिंग

योगासन करने के बाद शरीर के जिन जगहों पर दर्द का अहसास हो रहा है, उसके लिए 30 से 60 सेकेंड स्ट्रेच करें।

### डीप ब्रीथिंग

योगासन करने के बाद धीरे और डीप ब्रीथिंग करने की सलाह दी जाती है, इससे नर्वस सिस्टम को आराम मिलता है।

### मेडिटेशन

योगासन के बाद थोड़ी देर का मेडिटेशन भी आपके दिमाग और शरीर को रिलेक्स करने में मदद कर सकता है। मेडिटेशन के अनेक फायदे होते हैं।

# सीने में जमा बलगम निकाल देगा घर पर बना यह टॉनिक

**आपने अक्सर घर के बड़े-बुजुर्गों में सर्दी-खांसी, जुकाम, हल्के बुखार, बदन दर्द या पेट दर्द जैसी चीजों को ठीक करने के लिए देसी नुस्खे आजमाते देखा होगा। असल में हमारे किचन में मौजूद कई ऐसी चीजें हैं, जिनके गुणों और इस्तेमाल करने के सही तरीके के बारे में अगर हमें जानकारी हो तो कई बीमारियों से बचा जा सकता है। लेकिन, इनके बारे में एक्सपर्ट से सलाह लेना भी जरूरी है।**

सीने में जमे कफ को बाहर निकालने में भी कई देसी नुस्खे कारगर हैं। अगर आपके सीने में कफ जमा हुआ है, इसकी वजह से आपको सांस लेने में मुश्किल हो रही है, खांसी बहुत है, तो घर पर इस आयुर्वेदिक टॉनिक को बनाएं। आपको आराम मिलेगा। इसे घर में मौजूद औषधीय गुणों से भरपूर कई चीजों की मदद से बनाया जाता है।

## सीने में जमे बलगम को निकाल देगा यह देसी टॉनिक

- अजवाइन में मौजूद थाइमोल होता है। यह एंटी-सेप्टिक और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होता है। इससे सर्दी-जुकाम में आराम मिलता है।
- अजवाइन में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स, शरीर को अंदर से मजबूती देती है और इम्यून सिस्टम को ताकत मिलती है।
- इससे सीने की जकड़न दूर होती है और सीने में जमा कफ बाहर निकलने में मदद मिलती है।
- गुड़ एंटी-बैक्टीरियल गुणों से भरपूर होता है। इसकी तासीर गर्म होती है।
- सौंठ यानी अदरक पाउडर के साथ इसे लेने से गले की खराश और दर्द दूर होता है।
- गुड़, काली मिर्च, इलायची और सौंठ का यह काढ़ा, मौसमी सर्दी-जुकाम से बचाता है और कफ को भी कम करता है।
- काली मिर्च में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-वायरल गुण होते हैं। यह सर्दी-जुकाम और खांसी को कम करती है।

## सर्दी-खांसी और कफ के लिए बनाएं यह टॉनिक

### सामग्री

- पानी- 1 कप
- गुड़- 1 टेबलस्पून
- हरी इलायची- आधा टीस्पून
- अजवाइन- 1 टीस्पून
- काली मिर्च- आधा टीस्पून
- सौंठ- आधा टीस्पून
- तुलसी के बीज- 4-5
- लौंग- 2

### विधि

- पानी को उबलने दें।
- अब इसमें गुड़ मिलाएं और इसे पिघलने दें।
- अब इसमें बाकी सारी चीजें मिला दें।
- इसे धीमी आंच पर पकाएं।
- इसे ठंडा होने पर एक कांच के डिब्बे में बंद करके रखे लें।
- इसे लगभग आधा चम्मच सुबह-शाम शहद या गुनगुने पानी के साथ लें।

# रणदीप हुड्डा ने 'छावा' में क्यों मना किया था औरंगजेब का रोल

एक्टर रणदीप हुड्डा लक्ष्मण उतेकर की अपकमिंग फिल्म 'ईथा' में श्रद्धा कपूर के साथ मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। इस बीच उन्होंने बताया कि उन्हें 2025 की हिट फिल्म 'छावा' में मुगल बादशाह औरंगजेब का रोल ऑफर हुआ था। इस फिल्म में विक्की कौशल लीड रोल में थे। यह फिल्म बहुत बड़ी हिट साबित हुई। यह सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्मों में से एक बन गई। हुड्डा ने बताया कि उन्होंने औरंगजेब के रोल को ठुकरा दिया था। बाद में यह रोल अक्षय खन्ना ने निभाया।

### रणदीप ने ठुकराया औरंगजेब का रोल

औरंगजेब का रोल ठुकराने की वजह बताते हुए रणदीप ने 'जूम' को बताया कि जब डायरेक्टर लक्ष्मण उतेकर ने उनसे 'छावा' के लिए संपर्क किया था, तब वे मानसिक रूप से सही स्थिति में नहीं थे। उन्होंने कहा कि उस समय उनका वजन बहुत कम था और उन्होंने अपना सिर मुंडवा रखा था। उन्होंने उस वक्त 'सावरकर' की शूटिंग पूरी की थी। उन्होंने कहा 'मैं एक केस से गुजर रहा था और उस पूरे घटनाक्रम से जुड़े कई पेचीदा मसले थे। मैं उस रास्ते पर बिल्कुल नहीं जाना चाहता था। ऐसे में जब मेरे पास यह प्रोजेक्ट (ईथा) मेरे सामने आया, तो मुझे यह काफी लुभावना लगा।' 'छावा' 14 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह फिल्म मराठा साम्राज्य के दूसरे शासक संभाजी के जीवन पर आधारित थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 'छावा' का बजट 130 करोड़ रुपये था। इसने बॉक्स ऑफिस पर 804 करोड़ रुपये से ज्यादा कलेक्शन किया था।

### रणदीप ने किया बेटी का स्वागत

रणदीप और उनकी पत्नी लिन लैशराम के घर 10 मार्च 2026 को एक बेटी का जन्म हुआ था। बेटी के जन्म के एक महीने बाद, रणदीप ने अपनी बेटी का नाम 'न्योमिका हुड्डा' बताया।

### रणदीप का काम

काम की बात करें तो, रणदीप हाल ही में 'इंस्पेक्टर अविनाश 2' में नजर आए थे। नीरज पाठक के निर्देशन बनी इस सीरीज का दूसरा सीजन 15 मई को जियो हॉटस्टार पर रिलीज हुआ।

# इम्तियाज अली की फिल्म में काम करके बदली शरवरी की सोच

बॉलीवुड निर्देशक इम्तियाज अली की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर अभिनेत्री शरवरी वाघ काफी चर्चाओं में हैं। वह फिल्म के प्रमोशन में काफी बिजी हैं। इस बीच, उन्होंने इंटरव्यू में इम्तियाज अली के साथ काम करने का अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि इम्तियाज अली के साथ काम करना मेरे लिए सिर्फ एक फिल्म का हिस्सा बनना नहीं, बल्कि एक भावनात्मक सफर जैसा रहा। जब उनसे पूछा कि क्या इस फिल्म ने एक कलाकार के तौर पर उन्हें बदला है, तो उन्होंने कहा, ''हर अनुभव इंसान को कुछ नया सिखाता है, लेकिन इम्तियाज अली के साथ काम करना मेरे लिए बहुत खास रहा। इस फिल्म में मुझे एक ऐसे किरदार को निभाने का मौका मिला, जिसकी भावनाएं बेहद अलग हैं।'' अभिनेत्री ने आगे कहा, ''इम्तियाज अली कलाकारों को सिर्फ डायलॉग या सीन समझाकर काम नहीं करवाते। वह कलाकारों को किरदार की भावनाओं के अंदर लेकर जाते हैं। वह कलाकारों को यह महसूस कराते हैं कि उनका किरदार क्या सोच रहा है, क्या महसूस कर रहा है और उसकी जिंदगी में क्या चल रहा है। यही वजह है कि उनके साथ काम करने के बाद कलाकार खुद को उस किरदार के बेहद करीब महसूस करने लगते हैं।'' शरवरी ने कहा, ''मेरे जैसे कलाकारों के लिए यह अनुभव काफी मददगार रहा। मैं और वेदांग दोनों इस बात से सहमत हैं कि इम्तियाज अली ने हमें प्यार, इंतजार और अपनेपन जैसी भावनाओं को गहराई से समझने में मदद की। फिल्म में यह दिखाया गया है कि इंसान आखिर कहां खुद को सबसे ज्यादा जुड़ा हुआ महसूस करता है और उसके दिल में कौन-सी भावनाएं सबसे ज्यादा मायने रखती हैं।'' उन्होंने इम्तियाज अली की फिल्मों की खासियत पर बात करते हुए कहा, ''उनकी कहानियों में अक्सर ऐसे किरदार होते हैं, जो जिंदगी के एक अहम मोड़ से गुजर रहे होते हैं। यह वह समय होता है जब इंसान खुद को समझता है, रिश्तों को पहचानता है और दुनिया को नए नजरिए से देखना शुरू करता है। इस तरह के किरदार को निभाना मेरे लिए बेहद रोमांचक रहा, क्योंकि मुझे लगा जैसे मैं खुद भी जिंदगी के उन एहसासों को दोबारा जी रही हूं।'' अभिनेत्री ने कहा, ''मैंने इम्तियाज अली के साथ काम करने का हर पल खूब एंजॉय किया। निर्देशक की सबसे बड़ी खासियत यही है कि वह कलाकारों से दिल से जुड़ा अभिनय निकलवाते हैं।'' फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

# क्या 'डॉन 3' विवाद के तूल पकड़ने से पहले रणवीर सिंह ने की थी सुलह की कोशिश?

**अभिनेता रणवीर सिंह इन दिनों फरहान अख्तर की फिल्म 'डॉन 3' को छोड़ने के बाद शुरू हुए विवाद को लेकर चर्चा में हैं। बीते दिनों फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने रणवीर के खिलाफ नॉन-कॉपरेशन नोटिस जारी कर दिया।**

फरहान अख्तर और रणवीर के बीच अब तक कोई सुलह नहीं हुई है और मामला तूल पकड़ चुका है। फिल्म को लेकर शुरू हुआ दोनों का विवाद अब सार्वजनिक हो चुका है। मगर, रिपोर्ट्स के मुताबिक मामला इतना बढ़ने से पहले रणवीर सिंह ने निजी स्तर पर एक्सेल एंटरटेनमेंट के साथ सुलह की कोशिश की थी। उन्होंने कुछ प्रस्ताव भी रखे थे।

### रणवीर सिंह ने रखा था 35 करोड़ के वित्तीय समझौते का प्रस्ताव

रिपोर्ट्स के अनुसार अभिनेता रणवीर सिंह और उनकी टीम ने फिल्म 'डॉन 3' विवाद के सार्वजनिक होने से कुछ हफ्ते पहले ही फरहान अख्तर की कंपनी एक्सेल एंटरटेनमेंट के साथ मिलकर सुलह करने की कोशिश की थी। इसके तहत रणवीर ने कुल 35 करोड़ रुपये के वित्तीय समझौते के प्रस्ताव के जरिए इस मामले को निजी तौर पर सुलझाने का प्रयास किया था। खबरों के मुताबिक यह मामला सार्वजनिक रूप से और ज्यादा बढ़ जाता इससे पहले रणवीर सिंह ने 10 करोड़ रुपये की अग्रिम राशि और भविष्य में 25 करोड़ रुपये की छूट देने का प्रस्ताव रखा था। बॉलीवुड हंगामा के अनुसार, रणवीर सिंह के कैंप ने 10 करोड़ रुपये की अग्रिम राशि और एक्सेल के साथ भविष्य में किसी फिल्म में सहयोग करने पर 25 करोड़ रुपये की अतिरिक्त छूट की पेशकश की थी। इस प्रस्ताव पर मार्च के पहले सप्ताह में हुई एक बैठक के दौरान चर्चा की गई थी, जिसमें आमिर खान, साजिद नाडियाडवाला, करण जौहर, फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी सहित इंडस्ट्री के कई दिग्गज लोग शामिल थे।

# शादी और उम्र पर ट्रोल करने पर भड़कीं शमिता शेट्टी

शिल्पा शेट्टी की बहन और एक्ट्रेस शमिता शेट्टी ने सोशल मीडिया पर अपनी उम्र और शादी को लेकर कमेंट करने वाले ट्रोलर्स को कड़ा जवाब दिया है। इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए शमिता ने उन लोगों पर निशाना साधा जो सिंगल महिलाओं को ऐज-शेम करते हैं। 47 वर्षीय शमिता ने कहा कि वे शादी करने की किसी जल्दबाजी में नहीं हैं और अपनी जिंदगी में बेहद फिट और खुश हैं। उन्होंने ट्रोलर्स की पुरुष-प्रधान और पिछड़ी सोच पर आपत्ति जताते हुए उन्हें तुरंत अनफॉलो करने की सलाह दी है। कमेंट करने वाले को कहा- बदलाव प्राकृतिक है शमिता शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक ट्रोलर की पोस्ट का स्क्रीनशॉट शेयर किया। इसमें यूजर ने लिखा था कि आपकी उम्र हो गई है और अब पहले वाली बात नहीं रही। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए शमिता ने लिखा, 'हां, मैं अब अलग दिखूंगी। समय के साथ चीजें बदलती हैं और यह जीवन का प्राकृतिक नियम है। शारीरिक बनावट सहित कुछ भी हमेशा के लिए एक जैसा नहीं रहता। लेकिन अपनी उम्र के हिसाब से मैं पूरी तरह स्वस्थ, फिट और खुश हूं। मेरे लिए सिर्फ यही मायने रखता है।'

### शादी करके आपने क्या उखाड़ लिया

यूजर ने शमिता की शादी को लेकर भी टिप्पणी की थी कि अगर समय पर शादी कर लेतीं तो आज बच्चे बड़े हो गए होते। इस पर शमिता ने तीखा पलटवार करते हुए पूछा, 'तो? आपने शादी करके क्या उखाड़ लिया है भाई? सबसे जरूरी बात यह है कि आप लोग सिंगल महिलाओं को फॉलो ही क्यों करते हैं? सिर्फ इसलिए ताकि उन्हें ऐज-शेम कर सकें और उन पर अपनी पुरुष-प्रधान और आदिमानव जैसी पिछड़ी सोच थोप सकें? कृपया मुझ पर एक अहसान करें और मुझे तुरंत अनफॉलो कर दें।'

### बड़ी बहन शिल्पा शेट्टी से होती है तुलना

शमिता शेट्टी की बड़ी बहन और बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी 50 साल की हैं। शिल्पा शादीशुदा हैं और उनका एक 14 साल का बेटा है। शमिता ने पहले भी कई इंटरव्यू में साफ किया है कि वे सिर्फ शादी करने के नाम पर किसी से भी शादी नहीं करना चाहतीं। वे सही समय और सही जीवनसाथी का इंतजार करने में विश्वास रखती हैं और अपनी सिंगल लाइफ को पूरी तरह से एन्जॉय कर रही हैं।

# 'पेड्डी' से टॉलीवुड में कदम रखने जा रहे हैं दिव्येंदु शर्मा

**दिव्येंदु शर्मा जल्द ही तेलुगु फिल्म 'पेड्डी' से टॉलीवुड में कदम रखने जा रहे हैं। बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी इस फिल्म में राम चरण भी हैं।**

### फिल्म की खास बात क्या लगी?

मुझे इस फिल्म में सबसे खास हमारे निर्देशक साहब लगे। जब मैं उनसे मिला, तो मुझे लगा कि मैं बहुत समय बाद किसी ऐसे इंसान से मिल रहा हूं, जो सच में एक कलाकार है और जिसका पूरा ध्यान सिर्फ एक अच्छी और ईमानदार फिल्म बनाने पर है। उन्होंने मुझसे कहा कि मेरा जो किरदार है। वह इस फिल्म में उनका सबसे पसंदीदा किरदार है और वह चाहते हैं कि उसे मैं ही निभाऊं। उसी समय मैंने लगभग तय कर लिया था कि मैं यह फिल्म करूंगा।

### रोल की तैयारी कैसे की थी

अगर तैयारी की बात करूं, तो मेरे लिए हर किरदार की प्रक्रिया लगभग एक जैसी रहती है। सबसे पहले मैं कहानी और अपने किरदार को बहुत ध्यान से पढ़ता हूं। जब आप किसी किरदार को पढ़ते हैं, तो धीरे-धीरे आपके दिमाग में उस इंसान की एक छवि बनने लगती है, वह कैसा होगा, कैसे बात करता होगा, उसकी सोच और व्यवहार कैसा होगा। उसके बाद कोशिश यही रहती है कि उस किरदार को पर्दे पर इस तरह उतारा जाए कि दर्शक उससे जुड़ाव महसूस कर सकें और उसे वास्तविक मानें। फिल्म में काम करके काफी मजा भी आया।

### राम चरण के साथ काम करके आपको कैसा लगा

राम चरण के साथ काम करने का अनुभव बेहद शानदार रहा। वह बहुत सहज, विनम्र और नर्मदिल इंसान हैं। जब मैं उनसे पहली बार मिला, तो मुझे बिल्कुल महसूस नहीं हुआ कि मैं इतने बड़े स्टार से मिल रहा हूं। उन्होंने कभी भी अपने स्टारडम को काम के बीच नहीं आने दिया और सेट पर हमेशा एक सहयोगी कलाकार की तरह पेश आए। उन्होंने मुझसे कहा कि वह प्यार का पंचनामा के समय से मेरा काम देखते आ रहे हैं।

### भाषा पर कितना काम किया?

बिल्कुल, मुझे भाषा पर काफी काम करना पड़ा। मैं यह नहीं कहूंगा कि मैंने पूरी तरह तेलुगु भाषा सीख ली, लेकिन अपने डायलॉग्स पर मैंने बहुत मेहनत की। मैं उन्हें बार-बार याद करता था और सही तरीके से बोलने की कोशिश करता था। मेरे पास एक कोच भी थे, जो मुझे बताते थे कि किसी लाइन को सही भाव और उच्चारण के साथ कैसे बोला जा सकता है। उन्हें समझाता था मैंने अपने किरदार को अपने दिमाग में किस तरह बनाया है और मैं किसी संवाद को किस अंदाज में कहना चाहता हूं, ताकि वह उसी हिसाब से मेरी मदद कर सकें। कोच के साथ घंटों प्रैक्टिस करता था।

### वेब सीरीज मिर्जापुर ने जिंदगी किस तरह बदली

'मिर्जापुर' ने मेरी जिंदगी पूरी तरह बदल दी। उस सीरीज ने मुझे जितना प्यार और सम्मान दिया, वह मेरे लिए बहुत खास है। उसने मेरे अभिनय को देशभर के दर्शकों तक पहुंचाया और लोगों ने मेरे काम को दिल से सराहा। सबसे अच्छी बात यह रही कि सिर्फ दर्शकों से ही नहीं, बल्कि इंडस्ट्री के लोगों से भी मुझे बहुत प्यार मिला। उसी सीरीज की वजह से मेरे पास कई फिल्मों के प्रस्ताव आए और करियर में नए अवसर खुले। इसलिए मैं हमेशा उस शो का शुक्रगुजार रहूंगा।

### फिल्मों में कंटेंट ही सब कुछ है

जी हां, मैं इस बात से पूरी तरह सहमत हूं। आज के समय में सिर्फ बड़ा नाम किसी फिल्म को सफल नहीं बना सकता। दर्शक अब बहुत जागरूक हो गए हैं और वे फिल्म देखने से पहले उसके ट्रेलर, कहानी और प्रस्तुति पर ध्यान देते हैं। अगर लोगों को ट्रेलर और कंटेंट पसंद आता है, तभी वे फिल्म देखने का मन बनाते हैं। उसके बाद दर्शकों की प्रतिक्रिया और 'वर्ड ऑफ माउथ' बहुत बड़ी भूमिका निभाता है। लोग एक-दूसरे को बताते हैं कि कौन-सी फिल्म देखने लायक है और कौन-सी नहीं।

# शासकीय तालाबों को मछली पालन के लिए पट्टे पर करें प्रदान, मिलेगा रोजगार : कलेक्टर तुलिका

## किसानों को एग्रीस्टैक पंजीयन के लिए प्रेरित करने के दिए गए निर्देश

*नई दृष्टिबिंदु / मोहला*

सुशासन तिहार 2026 के तहत विकासखंड मोहला अंतर्गत ग्राम पंचायत आमाडुला में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर से पहले कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने आमाडुला क्लस्टर की 13 ग्राम पंचायतों के सरपंचों की बैठक लेकर पंचायतों में चल रहे विकास कार्यों, मूलभूत सुविधाओं और जनसमस्याओं की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती भारती चंद्राकर, एसडीएम मोहला हेमेंद्र भुआर्य, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, पटवारी तथा क्षेत्र के सरपंच उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान कलेक्टर ने सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन समस्याओं से संबंधित शिकायतें अधिक मिल रही हैं, उनका त्वरित और प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित किया जाए। पेयजल व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उन्होंने जल संरक्षण और जल संचयन के स्थायी उपायों पर विशेष जोर दिया। ग्राम पंचायतों को तालाब, कुएं और अन्य जल संरक्षण कार्यों के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश भी दिए गए, ताकि क्षेत्र में जल स्तर में सुधार लाया जा सके।

कलेक्टर ने सभी सरपंचों से गांवों में नियमित मुनादी कराकर प्रत्येक माह ग्राम सचिवालय आयोजित करने को कहा। उन्होंने कहा कि ग्राम सचिवालय के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याओं, विकास योजनाओं और आवश्यक कार्यों पर स्थानीय स्तर पर चर्चा कर तेजी से समाधान किया जा सकेगा। प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने आवास निर्माण कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समय पर निर्माण पूर्ण होने से आगामी स्वीकृतियों में भी सुविधा मिलेगी। बैठक में कोरिया मॉडल के तहत खेतों में गड्ढे बनाकर जल संचयन की जानकारी साझा की गई। इसके अलावा आधार अपडेट, अटल डिजिटल सुविधा केंद्र और किसानों के एग्रीस्टैक पंजीयन की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सरपंचों से किसानों को एग्रीस्टैक में पंजीयन के लिए प्रेरित करने की अपील करते हुए कहा कि इससे भविष्य में शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में किसानों को आसानी होगी।

कलेक्टर ने कहा कि ग्राम पंचायतों के अंतर्गत आने वाले शासकीय तालाबों को मछली पालन हेतु मछुआ समूहों एवं महिला स्व-सहायता समूहों को पट्टे पर दिए जाने की व्यवस्था की जाएगी। इससे स्थानीय समूहों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे तथा ग्राम पंचायतों को आय अर्जित करने में भी सहायता मिलेगी।

साथ ही उन्होंने बताया कि राजस्व विभाग से संबंधित अविवादित नामांतरण, अविवादित बंटवारा एवं अन्य सरल राजस्व प्रकरणों का निराकरण पंचायत स्तर पर ही सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि ग्रामीणों को त्वरित सुविधा मिल सके और उन्हें अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। बैठक में ग्रामीणों को इस संबंध में विस्तृत जानकारी भी प्रदान की गई।

# राजनांदगांव में रेत का अवैध परिवहन करते 3 हाईवा जब्त

*नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव*

## कलेक्टर के निर्देश पर खनिज विभाग की कार्रवाई, तुमड़ीबोड़ और सुकुलदैहान थानों को सौंपे वाहन

कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देश पर खनिज विभाग ने जिले में अवैध रेत परिवहन के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। विभाग की टीम ने डोंगरगांव, बरगांव, मटिया, सुरगी, सोमनी, तुमड़ीबोड़, सुकुलदैहान और डुमरडीहकला सहित कई क्षेत्रों में आकस्मिक निरीक्षण कर रेत का अवैध परिवहन कर रहे 3 हाईवा जब्त किए हैं।

### कहां-कहां हुई कार्रवाई

ग्राम बेलगांव निवासी लेखराम साहू के स्वामित्व का हाईवा सीजी 07 सीएन 9026 चालक रोशन साहू चला रहा था। रेत का अवैध परिवहन करते पकड़े जाने पर वाहन जब्त कर थाना तुमड़ीबोड़ को सुपुर्द किया गया। वहीं गठुला निवासी लोमेश देवांगन के हाईवा सीजी 08 बीएफ 4572 को चालक धनसिंग कंवर चला रहा था। इसे जब्त कर थाना सुकुलदैहान को सौंपा गया। और ग्राम मुसराकला निवासी उत्तम साहू के हाईवा सीजी 08 एजेड 4197 को चालक हुमेश वर्मा के साथ पकड़ा गया। यह वाहन भी थाना सुकुलदैहान को सुपुर्द किया गया। तीनों प्रकरणों में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। खनिज विभाग ने बताया कि जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण रोकने के लिए लगातार गश्त और निगरानी की जा रही है।

## लखोली में 3 किलो गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

**राजनांदगांव।** शहर में सूखा नशा के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सिटी कोतवाली और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने बैगापारा पानी टंकी के सामने लखोली स्थित शिव चबूतरा के पास से एक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 2.920 किलो गांजा जब्त किया है। जब्त गांजे की कीमत करीब 30 हजार रुपये आंकी गई है।

पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देश पर एएसपी कीर्तन राठौर और सीएसपी अलेक्जेण्डर किरों के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति चॉकलेटी रंग के थैले में गांजा रखकर ग्राहक की तलाश में खड़ा है। सूचना पर कोतवाली टीआई उपेन्द्र कुमार शाह और साइबर सेल प्रभारी विनय कुमार पम्मार के नेतृत्व में टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा। पूछताछ में उसने अपना नाम मोहम्मद रजा, 32 वर्ष, निवासी पठानपारा, थाना बसंतपुर के पीछे, राजनांदगांव बताया। तलाशी में उसके थैले से सफेद पॉलीथिन में रखा 2.920 किलो गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने मौके पर जब्ती की कार्रवाई कर आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 280/26 धारा 20-बी एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। आरोपी को शुक्रवार को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि नशीली दवाइयों, टेबलेट, गांजा और अवैध शराब की बिक्री में लगे लोगों के खिलाफ आगे भी लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। कार्रवाई में टीआई उपेन्द्र कुमार शाह, उप निरीक्षक राधेश्याम जूर्री, प्रधान आरक्षक संदीप चौहान, आरक्षक सुरेश भोई, चंद्रशेखर प्रेमी तथा साइबर सेल प्रभारी विनय कुमार पम्मार व टीम की सराहनीय भूमिका रही।

# पीएम उज्ज्वला योजना : महापौर मधुसूदन यादव ने 22 परिवारों को बांटे नि :शुल्क गैस कनेक्शन

## महिलाओं को धुएं से मिलेगी मुक्ति, स्वच्छ ईंधन से संवरेगी रसोई

*नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव*

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत राजनांदगांव नगर निगम के महापौर मधुसूदन यादव ने शुक्रवार को 22 पात्र परिवारों को निःशुल्क एलपीजी गैस कनेक्शन वितरित किए। योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराकर महिलाओं को धुएं से होने वाली बीमारियों से बचाना है।

होम प्राइड इंडेन गैस वितरक राजनांदगांव द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रत्येक हितग्राही को गैस चूल्हा, रेगुलेटर, सुरक्षा पाइप और दो एलपीजी सिलेंडर का पूरा सेट निःशुल्क दिया गया। वितरण इंडेन भिलाई क्षेत्र के असिस्टेंट मैनेजर शांतनु के मार्गदर्शन में हुआ।

संचालक नरेंद्र जैन ने बताया कि कनेक्शन उन्हीं परिवारों को दिया जा रहा है जिनके घर में पहले से कोई गैस कनेक्शन नहीं है। साथ ही अलग एवं हवादार रसोईघर होना अनिवार्य है। वचन-पत्र लेकर योजना की शर्तों का सत्यापन किया जा रहा है।

### 'महिलाओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा प्राथमिकता'

महापौर मधुसूदन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस महत्वाकांक्षी योजना से महिलाओं को सशक्त बनाने, पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिल रहा है। इससे समय की बचत होगी और रसोई धुआं मुक्त होगी। उन्होंने बताया कि योजना से जिले के हजारों परिवारों को सीधा लाभ मिल रहा है। होम प्राइड इंडेन के प्रबंधक श्रेयांस ने बताया कि उज्ज्वला योजना ग्रामीण और शहरी गरीब परिवारों को धुएं से मुक्त रसोई देने की दिशा में बड़ा कदम है।

# आईजी राव ने ली अपराध समीक्षा बैठक, 6 माह से लंबित मामलों के त्वरित निराकरण के निर्देश

## टाउन पेट्रोलिंग और रात्रि गश्त मजबूत करने पर जोर, चार जिलों के एसपी रहे मौजूद

*नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव*

पुलिस महानिरीक्षक राजनांदगांव रेंज बालाजी राव ने गुरुवार को रेंज स्तरीय अपराध समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने 6 माह से अधिक समय से लंबित अपराध, चालान, मर्ग, गुम इंसान और शिकायतों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। आईजी श्री राव ने मोटरयान अधिनियम के तहत कार्रवाई, स्थाई वारंट की तामिली और थाना निरीक्षण को प्राथमिकता से करने को कहा। उन्होंने उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय में लंबित जवाब-दावा के प्रकरणों का समय पर निराकरण करने के भी निर्देश दिए।

बैठक में सामुदायिक पुलिसिंग को बढ़ावा देने के साथ-साथ संध्याकालीन टाउन पेट्रोलिंग और रात्रि गश्त व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने पर जोर दिया गया। आईजी ने कहा कि अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए फील्ड में पुलिस की सक्रियता बढ़ाई जाए। इस दौरान विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा भी की गई। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी वाय.पी. सिंह, पुलिस अधीक्षक कबीरधाम धर्मेंद्र सिंह, पुलिस अधीक्षक खैरागढ़-छुईखदान-गंडई लक्ष्य शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव सुश्री अंकिता शर्मा उपस्थित रहे।

# मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की पहल

*नई दृष्टिबिंदु / मोहला*

सुशासन तिहार के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा जल संरक्षण एवं भूजल संवर्धन को जनआंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। कृषि विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा स्व-सहायता समूहों के संयुक्त सहयोग से जिलेभर में व्यापक जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अभियान के माध्यम से ग्रामीणों और किसानों को वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण तथा जल संरक्षण तकनीकों की जानकारी दी जा रही है।

जिले में अब तक 1000 से अधिक 5 प्रतिशत मॉडल तैयार किए जा चुके हैं, जिनके जरिए गांव-गांव तक जल संरक्षण का संदेश पहुंचाया जा रहा है। अभियान में जिले की 46,527 स्व-सहायता समूह की महिलाएं सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं। प्रत्येक समूह की दीदी द्वारा दो-दो ट्रेंच निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिससे बड़े पैमाने पर जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण सुनिश्चित होगा। अभियान के तहत किसानों के खेतों के कोनों में 1 मीटर .1 मीटर .2 फीट आकार के ट्रेंच तैयार किए जा रहे हैं। इन ट्रेंचों में वर्षा जल संग्रहित होकर धीरे-धीरे जमीन में समाहित होगा, जिससे भूजल स्तर में वृद्धि, मिट्टी में नमी संरक्षण और कृषि उत्पादन में सुधार होने की संभावना है।

जिला प्रशासन ने विशेष रूप से उन ग्राम पंचायतों को चिन्हित करना शुरू किया है जहां भूजल स्तर अत्यंत कम है। ऐसे क्षेत्रों के लिए पृथक कार्ययोजना तैयार कर स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा, ताकि जल संकट का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने कहा कि वर्तमान समय में जल संरक्षण सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता बन चुका है। बढ़ती जल मांग और घटते भूजल स्तर को देखते हुए प्रत्येक नागरिक को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा जल संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। आज किया गया छोटा प्रयास भविष्य में बड़े परिणाम देगा। जनसहभागिता से जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाकर आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों को सुरक्षित रखा जा सकता है।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती भारती चंद्राकर ने कहा कि जिले में जल संरक्षण को लेकर अभूतपूर्व जनभागीदारी देखने को मिल रही है। उन्होंने बताया कि 46 हजार से अधिक स्व-सहायता समूह की महिलाएं इस अभियान की मुख्य शक्ति बनकर सामने आई हैं। उन्होंने कहा खेत का पानी खेत में और गांव का पानी गांव में रोकने के उद्देश्य से बड़े पैमाने पर ट्रेंच निर्माण कराया जा रहा है। यह अभियान जिले में जल सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा।

जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों, किसानों, जनप्रतिनिधियों, स्व-सहायता समूहों और सामाजिक संगठनों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की है। प्रशासन का मानना है कि सामूहिक प्रयासों से जिले को जल समृद्ध बनाया जा सकता है।

### जल संरक्षण अभियान के प्रमुख आंकड़े और उपलब्धियां

जिले में अब तक 1000 से अधिक 5 प्रतिशत मॉडल तैयार किए जा चुके हैं, जिनके माध्यम से ग्रामीणों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इस अभियान में जिले की 46,527 स्व-सहायता समूह की महिलाएं सक्रिय रूप से जुड़ी हुई हैं। प्रत्येक दीदी द्वारा दो-दो ट्रेंच का निर्माण किया जाएगा। खेतों में बनाए जा रहे ये ट्रेंच 1.1 मीटर आकार और 2 फीट गहराई के हैं, जिनका उद्देश्य वर्षा जल संचयन एवं भूजल संवर्धन को बढ़ावा देना है। अभियान का मुख्य फोकस जल संरक्षण, भूजल स्तर में वृद्धि और खेती के लिए नमी संरक्षण सुनिश्चित करना है।

# वीर सावरकर जन्म जयंती पर आईटीआई बेरला में गूंजा राष्ट्र प्रथम का संदेश

## मेरा युवा भारत अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में युवाओं ने लिया राष्ट्र निर्माण का संकल्प

*नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा*

महान स्वतंत्रता सेनानी, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक एवं समाज सुधारक विनायक दामोदर सावरकर की जन्म जयंती के अवसर पर शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) बेरला में मेरा युवा भारत तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में गरिमामय एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं बड़ी संख्या में प्रशिक्षणार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए राष्ट्र प्रथम की भावना को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

समारोह का शुभारंभ मां भारती एवं वीर सावरकर के तैलचित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम स्थल को राष्ट्रभक्ति के रंगों से सजाया गया था, जहां उपस्थित युवाओं में देशभक्ति और राष्ट्र सेवा की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आईटीआई बेरला के सुपरिटेंडेंट एस.के. साहू ने कहा कि वीर सावरकर का जीवन अदम्य साहस, राष्ट्रभक्ति और संघर्ष का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन युवाओं में राष्ट्र प्रथम की भावना को जागृत करने वाला अत्यंत सार्थक प्रयास है। सावरकर जी का फौलादी संकल्प, त्याग और देश के प्रति समर्पण आज भी नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है।

कार्यक्रम में ट्रेनिंग ऑफिसर्स बी.पी. देवांगन, मनीष वर्मा, प्रेम सागर नायक, चंद्रभूषण यादव, रेवेन्द्र वर्मा एवं सौरभ अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने वीर सावरकर के स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान, अंडमान की सेल्युलर जेल में झेली गई कठोर यातनाओं, सामाजिक समरसता और राष्ट्र जागरण के लिए किए गए कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सावरकर का जीवन संघर्ष, अनुशासन और राष्ट्र समर्पण की ऐसी मिसाल है, जिससे आज के युवाओं को सीख लेकर अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना चाहिए। वक्ताओं ने प्रशिक्षणार्थियों से तकनीकी दक्षता को राष्ट्र निर्माण एवं आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य से जोड़ने का आह्वान भी किया।

कार्यक्रम में गेस्ट लेक्चरर्स प्रेम परितोष, नीलम कुमार वर्मा एवं थामेश देशमुख ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी होती है। यदि युवा अनुशासन, कौशल और राष्ट्रभक्ति के साथ आगे बढ़ें तो देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने आईटीआई बेरला के प्रशिक्षणार्थियों में दिखाई दे रहे उत्साह, समर्पण और सकारात्मक सोच की सराहना की।

समारोह के दौरान प्रेरणादायी व्याख्यान, राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुतियां तथा युवा जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। इन कार्यक्रमों ने उपस्थित विद्यार्थियों में देश के प्रति समर्पण और जिम्मेदारी की भावना को और अधिक मजबूत किया। पूरे आयोजन के दौरान परिसर राष्ट्रभक्ति के वातावरण से सराबोर रहा तथा युवाओं ने राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का संकल्प दोहराया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन एवं उत्कृष्ट प्रबंधन के लिए संस्थान प्रबंधन ने सभी अधिकारियों, कमर्चारियों एवं प्रशिक्षणार्थियों को बधाई दी। समारोह का समापन राष्ट्रगान तथा भारत माता की जय और वंदे मातरम् के गगनभेदी नारों के साथ हुआ। उपस्थित सभी युवाओं ने वीर सावरकर के आदर्शों पर चलकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

# बच्चों को पढ़ाई के लिए मिले सुरक्षित स्वच्छ व अनुकूल माहौल : कलेक्टर

*नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव*

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में नए शिक्षा सत्र के मद्देनजर निजी शालाओं के प्राचार्यों की बैठक ली। कलेक्टर ने कहा कि सभी स्कूलों में आधार सत्यापन का कार्य प्राथमिकता के साथ पूर्ण करें। दो दिन में आधार सत्यापन का कार्य पूर्ण नहीं होने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सभी निजी स्कूलों में नये शिक्षा सत्र में दाखिला कार्य के संबंध में जानकारी ली।

उन्होंने शासन के निर्देशानुसार सीबीएसई पाठ्यक्रम संचालित सभी स्कूलों में एनसीआरटी एवं सीजी बोर्ड वाले स्कूलों में एससीईआरटी की पुस्तकों से अध्यापन कार्य सुनिश्चित करने के लिए कहा। स्कूलों द्वारा पाठ्यपुस्तक एवं गणवेश के लिए किसी विशेष फर्म से खरीदने के लिए अभिभावकों को बाध्य नहीं करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार के तहत स्कूलों की यह नैतिक जिम्मेदारी है कि गरीब एवं जरूरतमंद बच्चों की मदद के लिए कार्य करें। शिक्षा के अधिकार से उनका जीवन व भविष्य बेहतर बन रहा है, इसके लिए अपना योगदान दें। कलेक्टर ने कहा कि ऐसे स्कूल जो अभिभावकों को स्थानांतरण प्रमाण पत्र समय पर नहीं देते उन पर कार्रवाई की जाएगी।

# शिक्षामंत्री यादव ने वार्ड-48 का किया दौरा, सड़क-पेयजल सुधार के दिए निर्देश

## बारिश पूर्व नालियों की सफाई में तेजी लाने को कहा, बोले- अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे सुविधाएं

*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग*

शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने शुक्रवार को दुर्ग विधानसभा के वार्ड-48 का दौरा कर स्थानीय नागरिकों से संवाद किया। उन्होंने सड़क, पेयजल और मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। मंत्री श्री यादव ने वार्ड पार्षद श्रीमती लोकेश्वरी ठाकुर और स्थानीय नागरिकों के साथ पूरे वार्ड का निरीक्षण किया। इस दौरान क्षेत्र में चल रहे और प्रस्तावित विकास कार्यों की स्थिति का जायजा लिया।

### जनता ने रखीं ये मांगें

वार्ड भ्रमण के दौरान नागरिकों ने सड़क निर्माण, पेयजल आपूर्ति के लिए पाइपलाइन विस्तार, पॉवर पंप स्थापना, नाली निर्माण और साफ-सफाई से जुड़ी समस्याएं रखीं। मंत्री ने मौके पर मौजूद विभागीय इंजीनियरों और अधिकारियों को जनहित के कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने कहा।

### पेयजल और नाली सफाई पर जोर

निरीक्षण के दौरान पेयजल व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने, सड़कों की मरम्मत और बारिश से पहले सभी नालियों की सफाई में तेजी लाने पर विशेष चर्चा हुई। मंत्री ने जरूरी स्थानों पर अतिरिक्त सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रस्ताव तैयार कर शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए।

### शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने की बात कही

वार्डवासियों से संवाद के दौरान मंत्री ने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी और पात्र हितग्राहियों तक लाभ पहुंचाने पर जोर दिया। नागरिकों ने विकास कार्यों और समस्याओं के त्वरित निराकरण के प्रयासों की सराहना की। मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार सुशासन, विकास और जनसेवा की भावना से काम कर रही है। सरकार का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाना और हर वार्ड-गांव में विकास को गति देना है। इसी संकल्प के साथ लगातार जनसंपर्क कर समस्याओं का समाधान किया जा रहा है।

# रायपुर में ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा चलाते युवक गिरफ्तार

## मोबाइल-नगदी और वाहन जब्त, एंटी क्राइम यूनिट की कार्रवाई, Uncle777 और Annapoorna Book साइट से कर रहा था संचालन

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

पुरानी बस्ती क्षेत्र में ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा चलाने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एण्टी क्राइम एण्ड साइबर यूनिट और थाना पुरानी बस्ती की संयुक्त टीम ने कंकाली तालाब के पास दोपहिया वाहन सवार राजू देवांगन को पकड़ा। आरोपी के पास से 1 मोबाइल फोन, 20 हजार रुपये नगद और घटना में प्रयुक्त दोपहिया वाहन समेत करीब 1.90 लाख रुपये का सामान जब्त किया गया है।

डीसीपी क्राइम स्मृतिक राजनाला और डीसीपी वेस्ट जोन संदीप पटेल के निर्देश पर 27 मई को यह कार्रवाई की गई। सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति मोबाइल से ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा चला रहा है। टीम ने मौके पर पहुंचकर हुलिए के आधार पर आरोपी को घेराबंदी कर पकड़ा। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम राजू देवांगन, 37 वर्ष, निवासी आदर्श नगर कुशालपुर, थाना पुरानी बस्ती बताया। मोबाइल चेक करने पर वह http://Uncle777.com और Annapoorna Book के लिंक आईडी से ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा संचालित करते मिला।

थाना पुरानी बस्ती में आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 238/26, छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 7 एवं 8 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अन्य आरोपियों के बारे में पूछताछ कर रही है और जल्द गिरफ्तारी की बात कही है।

# चलती स्कॉर्पियो की छत पर केक काटकर की आतिशबाजी, स्टंटबाज गिरफ्तार

**बिलासपुर।** रतनपुर-रायपुर सर्विस रोड पर चलती कार की छत पर केक काटकर आतिशबाजी करने का खतरनाक स्टंट करने वाले युवक को कोनी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने स्टंट में इस्तेमाल काली स्कॉर्पियो भी जब्त कर ली है।

### इंस्टाग्राम पर वायरल हुआ था वीडियो

24 मई की रात कुदुदंड निवासी अरविंद सैनी अपनी महिला मित्र के साथ काले रंग की स्कॉर्पियो क्रमांक CG 10 BP 3926 में रतनपुर-रायपुर सर्विस रोड पर निकला था। इस दौरान उसने ट्रैफिक नियमों को ताक पर रखकर चलती कार की छत पर केक काटा और जमकर पटाखे फोड़े। इस खतरनाक स्टंट का वीडियो उसने इंस्टाग्राम पर अपलोड कर दिया। वीडियो वायरल होते ही बिलासपुर पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। वरिष्ठ अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

### पुलिस ने की ताबड़तोड़ कार्रवाई

निर्देश मिलते ही कोनी पुलिस हरकत में आई और आरोपी अरविंद सैनी को ढूंढ निकाला। पुलिस ने स्टंट में प्रयुक्त स्कॉर्पियो को जब्त कर लिया है। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। कोनी पुलिस ने आरोपी चालक अरविंद सैनी और उसकी महिला मित्र के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट की सुसंगत धाराओं के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक सड़क पर इस तरह की स्टंटबाजी से खुद की और दूसरों की जान को खतरा होता है। ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

# केंद्रीय राज्यमंत्री रामनाथ ठाकुर आज भिलाई में विधायक सेन के भाई की शांति सभा में होंगे शामिल

## दो दिवसीय प्रवास का प्रोटोकॉल जारी, वाय श्रेणी सुरक्षा के साथ पहुंचेंगे रायपुर

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री रामनाथ ठाकुर शनिवार शाम भिलाई पहुंचेंगे। वे वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन के बड़े भाई स्व. दिनेश सेन की शांति सभा में शामिल होकर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। स्व. दिनेश सेन का 17 मई को आकस्मिक निधन हो गया था। लोकांगन में शाम 6 बजे आयोजित शोक सभा में मंत्री शोक संतप्त परिवार से भी मिलेंगे।

### प्रवास का मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम

राज्य शिष्टाचार विभाग ने केंद्रीय मंत्री के दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास का प्रोटोकॉल जारी किया है। मंत्री ठाकुर दोपहर 12:10 बजे नई दिल्ली से एअर इंडिया की फ्लाइट से रवाना होकर दोपहर 2:05 बजे रायपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। वहां से सीधे राज्य अतिथि गृह जाएंगे।

दोपहर 3:30 बजे राज्य अतिथि गृह में राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक लेंगे। शाम 4:30 बजे सड़क मार्ग से भिलाई के लिए प्रस्थान करेंगे। भिलाई में कार्यक्रम के बाद रात 8 बजे वापस रायपुर लौटकर राज्य अतिथि गृह में रात्रि विश्राम करेंगे। वे 31 मई रविवार सुबह 8:25 बजे रायपुर से दिल्ली लौटेंगे।

### सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

केंद्रीय मंत्री को भारत सरकार द्वारा वाय श्रेणी की सुरक्षा दी गई है। राज्य शिष्टाचार अधिकारी ने कलेक्टर, आईजी रायपुर-दुर्ग, एसपी रायपुर-दुर्ग सहित संबंधित विभागों को पत्र जारी किया है। पूरे प्रवास के दौरान सुरक्षा, वाहन, आवास और प्रोटोकॉल के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

# 5 माह में हत्या के 17 मामलों में 29 दोषियों को सजा, आजीवन कारावास भी

## नए कानून बीएनएस के बाद गवाहों के पलटने पर भी वैज्ञानिक साक्ष्यों से हो रही सजा

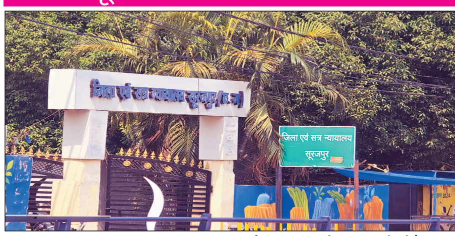


*नई दृष्टिबिंदु / सूरजपुर*

जिले के न्यायालयों ने नए कानून भारतीय न्याय संहिता लागू होने के बाद हत्या के मामलों में सख्त रुख अपनाया है। दिसंबर 2025 से अप्रैल 2026 के बीच महज 5 माह में हत्या के 17 प्रकरणों में 29 अभियुक्तों को दोषी ठहराते हुए कठोर कारावास की सजा सुनाई गई है।

### बीएनएस के बाद बदली विवेचना की दिशा

नए कानून लागू होने के बाद आपराधिक मामलों में चश्मदीद गवाहों के पलटने के बावजूद न्यायालय अन्य ठोस सबूतों के आधार पर सजा सुना रही है। अपराध विवेचना के दौरान संकलित गवाहों के कथन, वैज्ञानिक और परिस्थितिजन्य साक्ष्य, मेडिकल व पीएम रिपोर्ट तथा तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों को दोषी ठहराया जा रहा है।

आधुनिक न्यायिक प्रणाली में समय-सीमा को ध्यान में रखते हुए डिजिटल, फॉरेंसिक और परिस्थितियों की कड़ियों को जोड़कर आरोप की पुष्टि की जा रही है। इससे गवाहों के मुकरने के बाद भी पीड़ितों को न्याय मिलना सुनिश्चित हो रहा है।

### प्रमुख फैसले एक नजर में

1. ग्राम पसला डेयरी फार्म हत्याकांडः महिला की हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास व अर्थदण्ड।
2. नावापारा सूरजपुर हत्याकांडः मकान में महिला की हत्या के मामले में आरोपी को 10 वर्ष का कठोर कारावास व अर्थदण्ड।
3. द्वारिकापुर गाड़ा झरिया हत्याकांडः पति की धारदार हथियार से हत्या करने वाली पत्नी को आजीवन कारावास व अर्थदण्ड।
4. विशालपुर हत्याकांडः जमीन विवाद में एक व्यक्ति की हत्या के मामले में चारों आरोपियों को आजीवन कारावास व अर्थदण्ड।
5. अवन्तिकापुर हत्याकांडः चाचा द्वारा भतीजे की हत्या के मामले में 7 वर्ष का कठोर कारावास व अर्थदण्ड।
6. परी गौटियापारा हत्याकांडः बेटे को पेड़ से बांधकर पीट-पीटकर मारने वाले पिता व भाई को 10-10 वर्ष का कठोर कारावास व अर्थदण्ड।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100